CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 250 ता. 30 मार्च 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

पी8आई विमान नौसेना में शामिल , पनडुब्बियों का शिकार करने में है माहिर

नई दिल्ली । हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की ओर से बढ़ती दखल की चिंताओं के बीच भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार की उपस्थिति में वायु स्क्वाड्रन (आईएनएस) 316 को गोवा में आईएनएस हंसा में शामिल किया गया। इस मौके पर नौसेना प्रमुख ने कहा, हिंद महासागर क्षेत्र में भारत पसंदीदा सुरक्षा भागीदार है, जो इस क्षेत्र में प्रभावी रणनीतिक भूमिका अदा करने की हमारी क्षमता और इसके अभियान में विस्तार लाने की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, इस प्रतिबद्धता के लिए भारतीय नौसेना की भूमिका अहम है। इस उद्देश्य को हासिल करने में आईएनएस 316 की कमीशनिंग हिंद महासागर क्षेत्र की निगरानी और सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक और मील का पत्थर है।' नेवल एयर स्क्वाड्रन 316 नौसेना का दूसरा पी8आई विमान स्क्वाड्रन है।हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना की निगरानी क्षमताओं को मजबूत करेगा। पी8आई विमानों में दो जेट इंजन हैं और इसे हवा से जहाज पर वार करने वाले मिसाइल और टोरपीडोस से लैस किया जा सकता है। नौसेना प्रमुख ने कहा, आईएनएस 316 बोइंग पी81 का संचालन करेगा, जो एक परिष्कृत बहु-भूमिका वाली लंबी दूरी की समुद्री टोही और पनडुब्बी रोधी विमान है।'' नौसेना को साल 2013 में आठ पी8आई विमानों की पहली खेप मिली है, जो इस वक्त तमिलनाडु के अकरणम में आईएनएस रजौली में तैनात हैं।

बीजेपी नेता मोहित कम्बोज ने उठाई 'अजान' बंद करने की मांग

मुंबई । महाराष्ट्र में भाजपा ने मंगलवार को कहा कि वह ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध मुंबई पुलिस आयुक्त की पहल को ध्यान में रखते हुए शहर भर में लाउडस्पीकर के माध्यम से 'अजान' करने के लिए इस्लामी आह्वान पर 'रोक लगाने' की मांग करती है। भाजपा नेता मोहित कम्बोज ने कहा कि लाउडस्पीकर से अजान की घोषणा नहीं की जानी चाहिए क्योंकि इससे दूसरों को असुविधा होती है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस आयुक्त संजय पांडे से सभी मस्जिद से अवैध लाउडस्पीकर हटाने का अनुरोध करता हूं। अजान होनी चाहिए लेकिन लाउडस्पीकर पर नहीं। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि कई उच्च न्यायालयों ने लाउडस्पीकर से अजान रोकने का आदेश दिया है! पुलिस आयुक्त संजय पांडे ने ध्वनि प्रदूषण (एसआईसी) के खिलाफ यह पहल शुरू की है।

हाईकोर्ट ने ईशनिंदा वाली सामग्री डालने वाले संगठन को ब्लाक नहीं करने पर की ट्विटर की आलोचना

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने हिंदू देवी के बारे में लगातार ईशनिंदा वाली सामग्री डालने वाले नास्तिक संगठन को ब्लाक नहीं करने पर ट्विटर की आलोचना की है। अदालत ने पाया कि सोशल मीडिया वेबसाइट दूसरे धर्म के बारे में सामग्री होने पर अधिक संवेदनशील हो जाती है। कोर्ट ने कंपनी को वह कानून दिखाने के लिए कहा कि जिसमें कहा गया है कि आपत्तिजनक ट्वीट के खिलाफ इंडिविजुअल अकाउंट पर कार्रवाई केवल अदालत के आदेश के बाद ही की जा सकती है। यह विवाद बढ़ रहा है कि जिन लोगों के बारे में आप संवेदनशील महसूस करते हैं, आप उन्हें ब्लॉक कर देंगे, लेकिन आप दुनिया के अन्य क्षेत्रों में, अन्य जातियों के अन्य लोगों की संवेदनशीलता के बारे में चिंतित नहीं हैं। हम यह कहने की हिम्मत करते हैं कि यदि दूसरे धर्म के संबंध में भी ऐसा ही किया जाए, तो आप अधिक सावधान और संवेदनशील होंगे। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति नवीन चावला की खंडपीठ ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह उपयोगकर्ता द्वारा विवादित ट्वीट और अन्य कथित रूप से आपत्तिजनक पोस्ट की जांच करे ताकि यह देखा जा सके कि क्या सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69 ए के तहत उन्हें अवरुद्ध किया जा सकता है।

दिल्ली में भाजपाध्यक्ष नड्डा से वसुंधरा राजे ने की भेंट, राजस्थान की राजनीति पर की चर्चा

नई दिल्ली । राजस्थान में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा में सरगर्मी बढ़ गई है। राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने मंगलवार को नई दिल्ली में संसद भवन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। राजे की जयपुर में मीडिया टीम ने कहा कि राजे ने 4 राज्यों में भाजपा की जीत पर नड्डा को बधाई दी और आने वाले राज्यों में भाजपा की जीत के लिए शुभकामनाएं दीं। हालांकि, सूत्रों ने कहा, दोनों नेताओं ने राजस्थान में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों पर चर्चा की। भाजपा विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के अंदर सब ठीक करना चाहती है और राज्य में किसी भी तरह की अंदरूनी कलह नहीं चाहती जिससे पार्टी की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की थी।

पीएम मोदी ने एमपी में 5 लाख से ज्यादा गरीबों का कराया गृह प्रवेश

जब गरीब सशक्त होता है तो उसमें गरीबी से लड़ने का हौसला आता है: मोदी

-महामारी में मुफ्त राशन के लिए 2.60 लाख करोड़ खर्च कर चुकी है सरकार

भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मप्र में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के करीब 5 लाख लाभार्थियों के गृह प्रवेश में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल रहे। ग्रामीण अंचल में रहने वाले 5 लाख लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों में गृह प्रवेश कराया गया। इस खास मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। वहीं पीएम मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश के लगभग सवा 5 लाख गरीब परिवारों को उनके सपनों का पक्का घर मिल रहा है। हमारे देश में कुछ दलों ने गरीबी दूर करने के लिए नारे बहुत लगाए लेकिन गरीबों को सशक्त करने के लिए काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि एक बार जब गरीब सशक्त होता है तो उसमें गरीबी से लड़ने का हौसला आता है।

पीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांवों में बने ये सवा पांच लाख घर, सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है। ये सवा पांच लाख घर, देश में सशक्त होते गरीब का पहचान हैं। ये सवा 5 लाख घर बीजेपी सरकार की सेवा भाव की मिसाल है। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत जो घर बने हैं, उनमें से करीब-करीब दो करोड़ घरों पर मालिकाना हक महिलाओं का भी है। इस मालिकाना हक ने, घर के दूसरे आर्थिक फैसलों में भी महिलाओं की भागीदारी को मजबूत किया है। बीते ढाई साल में इस योजना के तहत देशभर में 6 करोड़ से अधिक परिवारों को शुद्ध पेयजल कनेक्शन मिल चुका है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष के बजट में पूरे देश में 80 लाख से अधिक घर बनने के लिए पैसे आवंटन करने प्रावधान किया गया है। अब तक लगभग 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा इस योजना पर खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 100 साल में आई इस सबसे बड़ी महामारी में हमारी सरकार गरीबों को मुफ्त राशन के लिए 2 लाख 60 हजार करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है।

असम और मेघालय के बीच ऐतिहासिक करार, शाह की मौजूदगी में हुआ समझौता

नई दिल्ली ।

असम और मेघालय के बीच 50 साल से चल रहा सीमा विवाद सुलझता दिख रहा है। दोनों राज्यों के बीच ऐतिहासिक करार हुआ है। दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में मंगलवार को दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री ने समझौते पर सहमति व्यक्त की है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, सांसद दिलीप सेकिया और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनार्ड संगमा ने गृहमंत्री शाह से मुलाकात की। इस दौरान सीमा विवाद का हल निकालने के लिए एक करार किया गया। इस दौरान गृहमंत्री शाह ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच 70 प्रतिशत सीमा आज विवाद से मुक्त हो गई है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री ने बताया कि आगे का विवाद ही हम बातचीत के जरिए सुलझा लेने वाले हैं। आज बहुत बड़ा काम हुआ है। शाह ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री और उनकी टीम को पीएम मोदी और भारत सरकार की तरफ से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि विकसित नॉर्थ ईस्ट का जो सपना पीएम मोदी ने देखा है, वह जल्द ही साकार होगा। शाह ने बताया कि अब तक लगभग 4 हजार 800 से ज्यादा हथियार कानूनी अथॉरिटी के सामने सरेंडर किए गए हैं।

योगी ने विपक्षी नेताओं से नया यूपी बनने में सहयोग की अपील की

लखनऊ ।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा सदस्यों को मंगलवार को संबोधित किया।यूपी विधानसभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश महाना को उनकी कुर्सी पर आसीन कराने के बाद सीएम योगी ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले संबोधन में विपक्षी दल के नेताओं के भी यूपी को नया उत्तर प्रदेश बनाने में सहयोग की अपील की।

योगी ने कहा कि हमें जनता के विश्वास पर हर कीमत पर खरा उतरना है। जनता का विश्वास कभी की अविश्वास में नहीं बदलना चाहिए। नकारात्मकता कभी भी जीवन में प्रगति नहीं कर सकती है। हमें यही पता है, कि सकारात्मकता से ही प्रगति आगे बढ़ती है। जनता सदैव ही प्रगतिशील को चुनती है। हम सभी को उत्तर प्रदेश के युवाओं तथा महिलाओं के बारे में अधिक सोचना है। उन्होंने कहा कि हमें अब युवाओं, आधी आबादी, किसानों, मजदूरों और दबे-कुचले लोगों के बारे में सोचना है, उनकी आवाज को आगे बढ़ाना है। हम प्रदेश की 25 करोड़ जनता का विकास करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 17वीं विधानसभा में हमें सिर्फ तीन वर्ष ही काम करने का अवसर मिला। हमारी सरकार ने सकारात्मकता से काम किया और उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा चुनाव के दौरान आरोप, प्रत्यारोप, आक्षेप सभी दलों ने किया, लेकिन हमने देखा कि जनता कभी नकारात्मक पक्ष को स्वीकार नहीं करती, जनता ने हमेशा सकारात्मक पक्ष को ही समर्थन दिया है। नकारात्मकता कभी लोकतंत्र का हित नहीं कर सकता है।

उन्होंने कहा कि पूरे देश की नजर उत्तर प्रदेश के विधानसभा पर है। कोरोना संक्रमण काल में भी यह सदन नहीं रुका। सदन में जनहित में फैसले लिए गए हैं। विधानसभा में सतीश महाना जी का विधानसभा अध्यक्ष पद पर चुना जाना हमारे लिए खुशी और गौरव का पल है।

इस प्रकार के महान अवसर को कभी भी चूकना नहीं चाहिए। आपके तो नाम में ही महाना लगा है।

मिसाइल की जद में थे कई नागरिक विमानपाक के साथ परमाणु मुद्दों पर बातचीत की जरूरत - मनीष तिवारी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने दुर्घटनावश चली एक भारतीय मिसाइल के पाकिस्तानी सीमा में गिरने की घटना की पृष्ठभूमि में मंगलवार को लोकसभा में कहा कि परमाणु मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ संस्थागत बातचीत होनी चाहिए। पंजाब के आनंदपुर साहिब से लोकसभा सदस्य तिवारी ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। उन्होंने कहा कि ऐसे तथ्य भी सामने आए हैं कि जब मिसाइल पाकिस्तानी सीमा में गिरी तो पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई की तैयारी करने लगा था। तिवारी ने कहा, ''इस मिसाइल के दायरे में कई नागरिक विमान थे और कोई अनचाही घटना हो सकती थी। हम उस दिन सौभाग्यशाली रहे।लोकसभा सदस्य ने कहा कि यह घटना इस बात का पुख्ता आधार देती है कि पाकिस्तान के साथ परमाणु मुद्दों पर संस्थागत बातचीत होनी चाहिए। तिवारी के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मुद्दे पर 15 मार्च को संसद में वक्तव्य दिया था और यह सूचित किया था कि इस घटना को लेकर कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल युनिट के नियमित रखरखाव और निरीक्षण के दौरान 9 मार्च की शाम लगभग 7 बजे गलती से एक मिसाइल दग गई। मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल के पाकिस्तान के एक क्षेत्र में उतरने की जानकारी मिली है। सिंह ने 15 मार्च को लोकसभा में कहा था, ÷हालांकि इस घटना पर खेद है, हमें राहत मिली है कि दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई।

दिल्ली विधानसभा में स्पीकर ने भाजपा के दो विधायकों को दिनभर के लिए सदन से बाहर निकाला

नई दिल्ली ।

दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों द्वारा कानून-व्यवस्था सहित अन्य मुद्दे उठाए जाने के दौरान कथित रूप से व्यवधान डालने पर विधानसभा अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक विजेंद्र गुप्ता और ओपी शर्मा को मंगलवार को सदन से दिनभर की कार्यवाही के लिए बाहर कर दिया। राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सत्तारूढ़ आप विधायकों द्वारा केन्द्र पर निशाना साधने को लेकर विपक्षी दल के दोनों विधायकों ने आपत्ति जताई थी। जंगपुरा से आप के विधायक प्रवीण कुमार ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक किशोर को चाकू मारने की घटना का जिक्र किया और मांग की कि दिल्ली पुलिस आयुक्त को सदन में तलब किया जाए और कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में जवाब मांगा जाए। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने कहा कि दिल्ली के उप राज्यपाल के आदेश का हवाला देते हुए विभिन्न विभागों ने सदन के सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया है। गोयल ने कहा उप राज्यपाल के आदेश ने विभागों का हौसला बढ़ाया है और जवाब नहीं दिए गए हैं। उप राज्यपाल के पत्र का हवाला देते हुए आज पांच से छह सवालों के जवाब नहीं दिए गए। उस आदेश ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने, भाजपा विधायक विजेंदर गुप्ता और ओम प्रकाश शर्मा के विरोध करने और उनके साथ बहस करने पर, उन्हें सदन से बाहर निकालने का निर्देश दिया। गोयल ने यह भी आरोप लगाया कि केन्द्र के आदेश के तहत, उप राज्यपाल के माध्यम से दिल्ली विधानसभा को अक्षम बनाया जा रहा है।

अखिलेश ने योगी पर किया तंज, कुछ लोग विदेश नहीं जाना चाहते

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में सत्ता और विपक्ष ने सर्वसम्मति से सतीश महाना को अध्यक्ष चुना। महाना के स्पीकर के रूप में चुनाव के बाद जहां नेता सदन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विपक्ष का आभार जताकर महाना की जमकर तारीफ की। वहीं नेता विपक्ष अखिलेश यादव ने भी योगी की बातों से खुद को सहमत बताते हुए उनकी सराहना की। अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष को उनके संरक्षण की जरूरत होगी। इस दौरान सदन में कई बार हंसी-ठहाके भी गूंजे। महाना की तारीफ करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, %%जहां आप लगातार एक क्षेत्र से जीतकर आए। इसतरह के बहुत कम लोग होते हैं। स्वाभिविक वहीं सदस्य जीतता है, जो जनता के बीच लोकप्रिय हो। जनता का उससे प्यार हो। आप जरूर उस जनता के बीच में घुलमिल हैं, इस कारण जनता ने कभी किसी दूसरे दल के प्रत्याशी की ओर नहीं देखा। आपको लगातार जितवाया। 18वीं विधानसभा में आप भारी बहुमत से जीतकर आए हैं।' अखिलेश ने कहा, 'आपकी जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। हमें आपके संरक्षण की जरूरत होगी। आपको हमारे अधिकारों की रक्षा करनी है। हालांकि, आप राइट साइड से आए हैं, लेकिन ध्यान आपको लेफ्ट साइड का रखना है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि आप जितना विपक्ष को समय देने वाले हैं, लोकतंत्र उतना मजबूत होगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि आप चुनी हुई सरकार के स्पीकर है, हमने इलेक्ट होकर आपको इलेक्ट किया है। आपको उतना ध्यान देना होगा कि जो चुनी हुई सरकार है, वह तानाशाह ना बन जाए। इसी दौरान अखिलेश ने महाना की विदेश यात्राओं का जिक्र कर कहा आप लगभग 35 देश घूमकर आए हैं, यह बात तब मुझे पहले पता होनी चाहिए थी। इस पर महाना ने हंसकर कहा, आपने प्रयास नहीं किया ना। इस पर सदन में ठहाके लगे। इसके बाद अखिलेश ने कहा कि मुझे खुशी यह है कि इसतरह के सदस्य अध्यक्ष बने हैं, जो अब जब कभी विदेश यात्रा होगी तब भूलेंगे नहीं, यह नहीं करना कि केवल राइट वालों को ले जाएं आप।

पंजाब में सत्ता गंवाने वाली कांग्रेस में जल्द शुरू होगा बदलावों का दौर

-सिद्धू फिर डाल रहे अध्यक्ष बनने का दबाव, हाईकमान नहीं दे रहा भाव

-नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए रवनीत बिट् टू और चौधरी संतोख सिंह की चर्चा

-पंजाब में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी टेंशन गुटबाजी को थामने की है

चंडीगढ़।

पंजाब चुनावों में महज 18 सीटें जीतकर सत्ता गंवाने वाली कांग्रेस में जल्दी ही बदलावों का दौर शुरू होने वाला है। सीएम रहे चरणजीत सिंह चन्नी दोनों सीटों से हार गए थे, जबकि अपने बयानों से चर्चित रहने वाले नवजोत सिंह सिद्धू को खुद अमृतसर पूर्व सीट से हार का सामना करना पड़ा था। नतीजों के बाद सोनिया गांधी ने प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू से इस्तीफा मांग लिया था। सिद्धू ने एक लाइन में यह लिखकर इस्तीफा दिया था कि जैसे सोनिया गांधी चाहती हैं, मैं इस्तीफा दे रहा हूं। माना जा रहा है कि कांग्रेस अब चरणजीत सिंह चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच टकराव के अध्याय का ही पटाक्षेप करना चाहेगी, जिसका खामियाजा हार के तौर पर झेलना पड़ा था। भले ही राज्य में विधानसभा चुनाव अब 5 साल बाद होंगे, लेकिन कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए परेशान है। सूबे की 13 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए पेच कसे जा रहे हैं और नवजोत सिंह सिद्धू के विकल्प की तलाश चल रही है। फिलहाल पंजाब के नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए स्टेट कमिटी की ओर से भेजे गए नामों में सांसद रवनीत बिट्टे टू और चौधरी संतोख सिंह शामिल हैं।

वहीं गिद्दड़बाहा से विधायक अमरिंदर राजा वड़िंग और सुखजिंदर रंधावा भी इस दौड़ में हैं। हालांकि नवजोत सिद्धू दूसरी बार प्रधान पद पद मांग रहे हैं। यहां तक कि पिछले दिनों उन्होंने कांग्रेस के करीब 2 दर्जन नेताओं से मीटिंग कर शक्ति प्रदर्शन की कोशिश की थी। पंजाब की राजनीति में वापस लौटे विधायक प्रताप सिंह बाजवा भी इशारों में दावेदारी ठोक चुके हैं। पंजाब में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी टेंशन गुटबाजी को थामने की है। चरणजीत सिंह चन्नी, सिद्धू और बाजवा मिलकर तीन कोण बनाते हैं।

सके अलावा मनीष तिवारी भी अकसर अलग ही सुर में रहते हैं। ऐसे में पार्टी की चिंता यह है कि किसी ऐसे नेता को कमान दी जाए, जिसकी छत्रछाया में पूरी पार्टी एकजुटता से काम करे। कांग्रेस की कोशिश है कि दो साल बाद लोकसभा चुनाव में इसका नुकसान न हो, इसलिए कांग्रेस सांसदों पर फोकस कर रही है। नवजोत सिद्धू की साख भले ही अपनी ही सीट हारने से कमजोर हुई है, लेकिन तेवर बरकरार हैं। कहा जा रहा है कि वह एक बार फिर से प्रदेश अध्यक्ष बनने की मांग हाईकमान से कर रहे हैं। सिद्धू ने हाल ही में पंजाब के 24 नेताओं से मीटिंग की थी। इसमें चुनाव हारे उम्मीदवारों के साथ विधायक सुखपाल खैरा और बलविंदर धालीवाल भी शामिल हुए।

सिद्धू खेमे का तर्क है कि चरणजीत चन्नी को सीएम चेहरा बनाते वक्त ही राहुल गांधी को स्पष्ट कर दिया गया था कि हार या जीत के जिम्मेदार सिद्धू नहीं होंगे। इसलिए अब उन्हें पद से हटाना ठीक नहीं होगा।

सेना की भर्ती में विलंब

सेना की भर्ती में विलंब को लेकर प्रियंका गांधी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली ।

कांग्रेसनेत्री और पार्टी महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने मंगलवार को सेना की भर्ती में हो रहे विलंब को लेकर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर समस्या का हल निकालने की मांग की है। प्रियंका गांधी ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि सेना में भर्ती के लिए लाखों युवा हाड़तोड़ मेहनत कर देशसेवा के सपने के साथ तैयारी करते हैं। लेकिन ये युवा वायुसैनिक भर्ती (जनवरी 2020) की एनरोलमेंट लिस्ट व परिणाम (वायुसैनिक भर्ती 2021) व सालों से थल सेना में भर्ती न आने से परेशान हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर इस विषय में अविलंब सकारात्मक कदम उठाते हुए सेना भर्ती से जुड़े युवाओं की समस्याओं के समाधान करने का आग्रह किया।

प्रियंका गांधी ने राजनाथ सिंह को लिखे अपने पत्र में कहा कि सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना भारत के तमाम युवाओं का सपना होता है। इसके लिए देश के लाखों युवा कड़ी मेहनत से तैयारी करते हैं। देशभर से तमाम युवाओं ने सेना में भर्तियों के परिणामों, नियुक्तियों में देरी व भर्ती रैली से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं की तरफ केंद्र सरकार को ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वायुसेना में सैनिक की भर्ती (जनवरी 2020) के लिए नवंबर 2020 में परीक्षा हुई थी और उसका परिणाम भी नवंबर 2020 में आ गया था। सभी टेस्ट हो जाने एवं प्रोविजनल सिलेक्शन लिस्ट आ जाने के बावजूद अभी तक इसकी एनरोलमेंट लिस्ट जारी नहीं की गई है। इस भर्ती से जुड़े युवाओं का कहना है कि एनरोलमेंट लिस्ट जारी करने की तिथि को बार-बार आगे बढ़ाया जा रहा है। जनवरी 2020 की भर्ती की एनरोलमेंट लिस्ट तुरंत जारी की जाए। इसके अलावा वायुसेना में सैनिकों की भर्ती की एक और परीक्षा जुलाई 2021 में ली गई थी जिसमें लाखों युवाओं ने हिस्सा लिया। इसका परिणाम अगस्त 2021 में आना था, लेकिन अभी तक परिणाम जारी नहीं हुआ है।

प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार से मांग की है कि जुलाई 2021 की भर्ती का परिणाम जारी कर आगे की प्रक्रिया को शीघ्र शुरू किया जाए। लाखों युवा दौड़, नियमित व्यायाम एवं अन्य माध्यमों से सेना भर्ती की तैयारी में लगे हैं, लेकिन कई सालों से सेना की भर्ती नहीं आई है। सेना भर्ती की तैयारी करने वाले युवा परेशान हैं। सेना में खाली पड़े लाखों पद भरने के लिए अविलंब भर्ती निकाली जाए और सभी भर्ती केंद्रों पर भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाए। लम्बे समय से सेना में भर्तियों के न आने एवं परिणामों, नियुक्तियों में देरी के चलते कई योग्य युवाओं की उम्र निकल रही है। सेना में भर्ती के लिए एक निश्चित समयसीमा के लिए अभ्यर्थियों को आयु सीमा में 2 साल की छूट दी जाए।

निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए सतीश महाना

सीएम योगी और अखिलेश कुर्सी तक साथ लेकर गए

लखनऊ ।

उत्तरप्रदेश की योगी सरकार 1.0 में कैबिनेट मंत्री रहे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश महाना मंगलवार को 18वीं वीं धानसभा के लिए निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए। महाना के निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष पद के निर्वाचित होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ नेता विरोधी दल अखिलेश यादव उन्हें विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी तक लेकर गए।

बता दें कि कानपुर के महाराजपुर से लगातार आठवीं बार विधायक चुने गए विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश महाना का निर्विरोध निर्वाचित होना तय था। विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र जमा करने की समय सीमा सोमवार दोपहर दो बजे समाप्त हो गया था।

निर्धारित समय सीमा तक सिर्फ महाना का नामांकन पत्र ही प्रमुख सचिव विधानसभा के कार्यालय में जमा हुआ था। लिहाजा विधानसभा अध्यक्ष पद पर महाना के निर्वाचन की घोषणा औपचारिकता रह गई थी। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के साथ उनकी पार्टी के विधायक विनोद कुमार ने भी सतीश महाना का समर्थन किया था। योगी 2.0 के मंत्रियों की सूची में सतीश महाना का नाम नहीं था। इसी के बाद से कयास लग रहे थी कि उन्हें विधानसभा अध्यक्ष का पद मिलेगा। 1991 से लगातार विधायक निर्वाचित हो रहे महाना को भाजपा ने सम्मानजनक पद दिया है। पंडित ह्रदय नारायण दीक्षित की जगह लेने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री सतीश महाना 1991 से लगातार विधानसभा चुनाव जीत रहे हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में वह आठवीं बार विधायक बने हैं।

श्रीनगर एयरपोर्ट के लिए 28 मार्च का दिन यादगार, 90 फ्लाइट का संचालन हुआ

जम्मू ।

श्रीनगर एयरपोर्ट अथारिटी के लिए 28 मार्च का दिन यादगार रहा है। दरअसल श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में रिकार्ड संख्या में एक दिन में 90 फ्लाइट का संचालन हुआ हैं, इसमें 15 हजार से अधिक यात्रियों ने सफर कर 28 मार्च को इतिहास का सबसे व्यस्त दिन बना दिया है। श्रीनगर एयरपोर्ट ने यादगार क्षण को सबके साथ साझा कर ट्वीट किया कि हमने 28 मार्च को 7824 यात्रियों के साथ 45 आगमन उड़ानें और 7190 यात्रियों के साथ 45 प्रस्थान उड़ानों को संभाला है। 15,014 यात्रियों के साथ कुल 90 उड़ानें इस हमारे इतिहास का सबसे व्यस्त दिन बनाती हैं। यह अभी मात्र गर्मियों के शेड्यूल की शुरूआत है। एयरपोर्ट के अधिकारियों का कहना है कि 28 मार्च 2022 का दिन यादगार और श्रीनगर एयरपोर्ट अथारिटी के लिए सबसे व्यस्त दिन बन गया है जबकि पिछली बार यह आंकड़ा 13700 था। यात्रियों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने, हर यात्री की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने का काम जारी है और जल्द ही नई बिल्डिंग भी यात्रियों को समर्पित होगी। श्रीनगर एयरपोर्ट के निदेशक शरद कुमार का कहना है कि पहली बार रिकार्ड संख्या में श्रीनगर एयरपोर्ट में 90 फ्लाइट का संचालन हुआ है, जिनमें 15,014 यात्रियों ने सफर किया। हमारा मकसद है कि श्रीनगर एयरपोर्ट में अत्यधिक भीड़ न हो।

बड़ी तैयारी- जल्द ही राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड से जुड़ेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट को शीघ्र ही 'राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड% (एनजेडीजी) से जोड़ा जाएगा। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने इसकी जानकारी दी। एनजेडीजी लंबित मामलों तथा तालुका से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अदालतों द्वारा मामलों के निपटारे की दर से संबंधित आंकड़ों का संग्रह करता है। वर्तमान में पोर्टल पर केवल उच्च न्यायालय तक के आंकड़े ही दर्शाए गए हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की एक पीठ मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें पीठ ने सरकार की राजस्व अभियोग प्रक्रिया को सूचना प्रौद्योगिकी आधारित समाधान के द्वारा सुगम बनाने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट की ई-समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट न्यायिक डेटा ग्रिड के लिए हमें पहले ही एक मॉड्यूल मिल चुका है। यह डेटा ग्रिड तैयार है और मैंने सप्ताहांत में उसका अवलोकन किया। शीघ्र ही हमारे पास राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड का लिंक होगा ताकि सुप्रीम कोर्ट भी राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड पर उपलब्ध हो सके। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल बलबीर सिंह द्वारा दाखिल स्थिति रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद शीर्ष अदालत ने कहा कि आंकड़ों में सामने आया है कि अपील दायर करने में अब भी देरी हो रही है।

मुस्लिम विवि मांग को लेकर विवाद में आए अकील अहमद को कांग्रेस ने छह साल के लिए पार्टी से निकाला

देहरादून ।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के दौरान मुस्लिम यूनिवर्सिटी की मांग को लेकर विवाद में आए अकील अहमद को पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है। कांग्रेस ने अनुशासन तोड़ने के आरोप में उन्हें छह साल के साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। पार्टी के प्रदेश महासचिव मथुरादत्त जोशी ने देर शाम जारी अपने पत्र में कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उनके द्वारा मीडिया में की गई अनर्गल बयानबाजी की वजह से कांग्रेस पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचा है। 8 फरवरी 2022 को अनर्गल बयानबाज़ी बंद करने की हिदायत देते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसके बाबजूद वह लगातार बयानबाज़ी करते रहे, जिसे केंद्रीय नेतृत्व ने गंभीरता से लिया है। पार्टी से बहार निकले जाने के बाद भी अकील अहमद के रुख में कोई नरमी नहीं आई है। निष्कासन के बाद उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर हाल में मुस्लिम विश्वविद्यालय बनकर रहेगा। चाहे इसके लिए उन्हें चंदा ही क्यों न मांगना पड़े। हार का ठीकरा खुद पर फोड़े जाने को लेकर उन्होंने कहा कि 2017 में उन्होंने कौन सा बयान दिया था, जो पार्टी चुनाव हार गई? मुस्लिम यूनिवर्सिटी उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में बड़ा मुद्दा बन गया था। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा था कि भाजपा के नेता और एक कांग्रेसी नेता उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर उन्होंने प्रदेश में मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने को लेकर कोई बयान दिया तो वह राजनीति छोड़ देंगे। अकील अहमद ने कहा मुस्लिम यूनिवर्सिटी की मांग एक सामान्य मांग थी लेकिन चुनावों में भाजपा नेताओं ने इसे मुद्दा बनाकर वोटों का ध्रुवीकरण कर दिया। कांग्रेस इस मुद्दे की वजह से चुनाव नहीं हारी है। बड़े नेता हार की जिम्मदारी लेने से बचने के लिए ठीकरा उनके सर पर फोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा वह 2024 के लोकसभा चुनाव में हरिद्वार लोकसभा सीट से पार्टी का टिकट मांगेंगे। यदि पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

जम्मू-कश्मीर- परिसीमन के लिए गठित आयोग को बताया असंवैधानिक, शीर्ष कोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली ।

जम्मू-कश्मीर में भले ही अभी राष्ट्रपति शासन है पर आगे चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले निर्वाचन क्षेत्रों को फिर निर्धारित करने के लिए परिसीमन आयोग नियुक्त करने के केंद्र सरकार के मार्च 2020 के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। कश्मीर निवासी हाजी अब्दुल गनी खान और डॉ. मोहम्मद अयूब मट्टू द्वारा दायर याचिका में यह घोषणा करने का निर्देश देने की मांग की गई है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सीटों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 करना संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में सीटों की संख्या में 107 से 114 की वृद्धि संवैधानिक प्रावधानों जैसे कि अनुच्छेद 81, 82, 170, 330 और 332 और विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 63 के तहत वैधानिक प्रावधानों के विपरीत है। याचिका में शीर्ष अदालत से 6 मार्च, 2020 को जारी अधिसूचना घोषित करने के बारे में निर्देश जारी करने का भी आग्रह किया गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर और असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और नागालैंड राज्यों के परिसीमन को संविधान के अनुच्छेद 14 के उल्लंघन के रूप में परिसीमन करने के लिए परिसीमन आयोग का गठन किया गया था। याचिका में कहा गया है, 'वास्तव में, जम्मू और कश्मीर राज्य में, 2001 में जनगणना कार्य पूरा हो गया था, लेकिन परिसीमन 1995 में किया गया था। इस हिसाब से भी, अपनाई गई पूरी प्रक्रिया असंवैधानिक है क्योंकि 2011 के दौरान जम्मू और कश्मीर के लिए कोई जनसंख्या जनगणना अभियान नहीं चलाया गया था।÷ दलील में तर्क दिया गया है कि अगर 5 अगस्त, 2019 को भारत के साथ जम्मू और कश्मीर राज्य को एकजुट करना था, तो परिसीमन प्रक्रिया देश में एक राष्ट्र और एक संविधान के 'नए आदेश' को नकार देती है। इसमें कहा गया है, 'जबकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 170 में यह प्रावधान है कि देश में अगला परिसीमन 2026 के बाद किया जाएगा, फिर इसके लिए जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश को क्यों चुना गया है?' याचिका में कहा गया है कि 2001 की जनगणना के बाद, जम्मू और कश्मीर विधानसभा ने जम्मू और कश्मीर (29वें संशोधन) अधिनियम, 2002 के तहत जम्मू और कश्मीर संविधान की 'धारा 47' में संशोधन किया, ताकि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 170 के अनुरूप और उसके अनुरूप, 2026 के बाद तक परिसीमन अभ्यास पर रोक लगाई जा सके।

सरिस्का टाइगर रिजर्व में फैली आग से खतरे में पड़े बाघ व अन्य वन्यजीव, सेना के हेलीकाप्टरों से हो रहा पानी का छिड़काव

जयपुर ।

राजस्थान में अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व में लगी आग 20 किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्रफल में फैल गई है। आग पर काबू पाने के लिए सेना के दो हेलीकाप्टारों से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। सिसीसेढ़ झील से लेकर ट्रेक्टर-ट्रोली से पानी जंगल में डाला जा रहा है। हेलीकाप्टर के एक दर्जन फेरे अब तक लगाए जा चुके थे। इसके साथ ही वन विभाग के करीब 250 कर्मचारी अन्य संसाधनों से आग बुझाने में जुटे हैं। आग जंगल के जिस हिस्से में तेजी से फैली है वहां कई बाघ रह रहे हैं। वर्तमान में सरिस्का में कुल 25 बाघ हैं। सरिस्का वन क्षेत्र के आसपास बसे चार गांवों के कुछ हिस्सों को खाली करवाया गया है। सरिस्का के वन अधिकारी सुदर्शन शर्मा का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण ट्रेक्टर-ट्राली और कर्मचारियों को चढ़ने में परेशानी हो रही है। पहाड़ी इलाके में हेलीकाप्टर से ही पानी का छिड़काव किया जा रहा है। आगे से करीब 160 हेक्टेयर जंगल अब तक जल चुका है। आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। आग वाले हिस्से में 500 से 1000 मीटर दूर तक फायर लाइन बनाई गई है। उन्होंने बताया कि सरिस्का के अकबरपुर रेंज में जहां आग लगी है वहां बाघों की नर्सरी है। यही सबसे ज्यादा खतरा है। यहां बाघिन एसटी-17 और उसके दो शावक, एसटी-20 और एसटी-14 का क्षेत्र है। बाघों के अतिरिक्त तेंदुए और अन्य वन्यजीव भी इस क्षेत्र में रहते हैं।

सरिस्का के नायब तहसीलदार खेमचन्द सैनी ने बताया कि रविवार शाम का रिजर्व के बालेटा पृथ्वीपुरा नाका स्थित पहाड़ियों में आग लगी थी, जिस पर देर रात तक काफी हद तक काबू पा लिया गया था। उसके बाद सोमवार को फिर आग फैली। आग का फैलाव रिजर्व के नारंडी, रोटक्याला, बहेड़ी और अकबरपुर तक हो गया है। सैनी ने बताया कि आग लगने से वन एवं वनस्पति, घास, झाड़ियां, बांस और धोक वृक्ष प्रजातियों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि अब यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि कितना नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं लग सका है।

रिजर्व में तेजी से फैल रही आग के कारण जंगली जानवरों के आबादी क्षेत्र में आने की आशंका बढ़ी है। कुछ छोटे वन्यजीव सोमवार को आबादी क्षेत्र की तरफ नजर भी आए थे।

अमेरिकी उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

रूस पर लगे प्रतिबंधों के वास्तुकार दिलीप सिंह आ सकते हैं भारत

नई दिल्ली ।

रुस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिकी उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह भारत दौरे पर आ सकते हैं। भारतीय मूल के दलीप पश्चिमी देशों द्वारा रुस पर लगे प्रतिबंधों के कर्ता-धर्ता रहे हैं। गोल्डमैन सैक्स में अपने शुरुआती करियर का कुछ समय बिताने के बाद सिंह ने ओबामा ट्रेजरी डिपार्टमेंट में काम कर चुके हैं। मार्केट टेक्नीशियन के रूप में नाम बनाने के बाद वह ट्रम्प प्रशासन में बाजार उपाध्यक्ष रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि रूसी बैंकरों की दक्षता ने पश्चिमी देशों के लिए हमेशा से एक विशेष चुनौती पेश की है। ओबामा के एक पूर्व अधिकारी ने बताया है कि प्रतिबंधों की एक जटिल संरचना है।

नियमों, आर्थिक लीवर और पश्चिमी कंपनियों और निवेशकों की प्रतिक्रियाओं के आधार पर। लेकिन बाइडेन प्रशासन के पास एक वास्तुकार है और रूस पर लगे प्रतिबंधों के वास्तुकार दलीप सिंह हैं। दलीप ने बताया है, कि खुफिया एजेंसियों ने हमें यूक्रेन पर संभावित रूसी आक्रमण को लेकर चेतावनियां दे रही थी। इसके बाद मैंने यह पता लगाना शुरू किया कि हमारे पास ताकत कहां है और हम इस ताकत का इस्तेमाल रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कहां-कहां इस्तेमाल कर सकते हैं। एक क्षेत्र था रूस की पश्चिमी टेक्नोलॉजी तक पहुंच जैसे कि माइक्रोचिप्स और सॉफ्टवेयर हैं।

एक और संभावित क्षेत्र विदेशों से पूंजी पर रूसी बैंकों की निर्भरता थी। प्रतिबंधों पर पश्चिमी देशों पर असर को देखते हुए उन्होंने विदेशों से पूंजी पर रूसी बैंकों पर फोकस किया।

दलीप ने यूक्रेन पर संभावित आक्रमण को देखकर पहले से ही प्रतिबंध ड्राफ्ट कर रहे थे। 24 मार्च को पुतिन द्वारा यूक्रेन पर पुतिन के हमले की घोषणा के बाद अमेरिका ने जल्द ही उन प्रतिबंधों के पैकेज की घोषणा की जो उन्होंने लंबे समय से दलीप की देखरेख में तैयार किए थे। दलीप ने कहा था कि अगर पुतिन अपनी ऊर्जा आपूर्ति को हथियार बनाने की कोशिश करते हैं,तब यह उनकी बड़ी गलती साबित होगी। बता दें कि रूस अपनी ऊर्जा आपूर्ति के ग्राहकों के लिए पश्चिम पर बेहद निर्भर हैं, उन्होंने चेतावनी देकर कहा था कि रूस की ओर से ऐसा कदम उठाने पर पश्चिमी और यूरोपीय देश उससे दूर हो जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक दलीप सिंह भारतीय मूल के अमेरिकी हैं।

उनके माता-पिता साल 1970 में भारत से अमेरिका जाकर बस गए थे। दलीप का जन्म अमेरिका के मेरीलैंड में हुआ था। उन्होंने अपने बचपन का कुछ वक्त शिकागो में बिताया। इसके बाद 7 साल की उम्र में वह नार्थ कैरोलिन में बस गए।

दलीप ने ड्यूक यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स और पब्लिक पॉलिसी से ग्रेजुएशन की और उसके बाद बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में मास्टर्स किया। दलीप अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेहद करीबी हैं। वाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी ने कहा था कि वाइट हाउस में दलीप की डिमांड बेहद ज्यादा है। इसकारण उन्हें बुलाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जूते पहनकर 'हनुमान चालीसा' पर सिंगर सुखविंदर ने किया डांस, मचा बवाल

वाराणसी । कोरोना काल के बाद फिर धर्म नगरी काशी की रौनक लौटती दिख रही है। बॉलीवुड फिल्मों और गानों की शूटिंग वाराणसी में गंगा घाट और चुनिंदा लोकेशन पर दिखने लगी है। गायक सुखविंदर सिंह अपने नए डांस वीडियो को लेकर विवादों में फंस गए हैं। दरअसल चेतसिंह घाट पर मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार सुखविंदर सिंह अपने आने वाले म्यूजिक वीडियो 'हनुमान चालीसा पर डांस कर रहे थे। इस दौरान वे जूते पहने दिखाई दिए। हनुमान चालीसा के फिल्मांकन के दौरान सुखविंदर सिंह के साथ उनके दर्जनों को-आर्टिस्ट भी पैरों में जूते पहने नजर आए। इस बारे में सुखविंदर सिंह ने भी दो टूक जवाब देकर कहा कि ऐसा करने से भावना कम होती है,तब आप थ्रूफ करिए। हमारा मकसद भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है। विवाद पर सुखविंदर सिंह का भी रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है। सुखविंदर सिंह का ये गाना 7 अप्रैल को रिलीज होगा। सुखविंदर ने द कश्मीर फाइल्स पर सीएम अरविंद केजरीवाल के बयान पर भी रिएक्ट किया। केजरीवाल के यूट्यूब पर फिल्म डालने पर सुखविंदर सिंह ने कहा कि जिनका मन हो वे थियेटर में लाए या यूट्यूब पर लाए।

रातोंरात राष्ट्रीय दल नहीं बन सकती आम आदमी पार्टी - प्रशांत किशोर

15 से 20 साल का समय लगेगा

नई दिल्ली । चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने आम आदमी पार्टी को लेकर भविष्यवाणी की है, कि आप को राष्ट्रीय दल बनने में 15 से 20 साल का समय लगेगा। पीके ने कहा कि किसी भी दल को राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए 20 करोड़ वोट हासिल करने की जरूरत है, जबकि आप को 2019 में 27 लाख मत हासिल हुए थे। उन्होंने कहा कि देश में अब तक कांग्रेस और भाजपा ही राष्ट्रीय दल के तौर पर उभर पाए हैं। उन्होंने कहा कि देश में कई दलों ने इसकी कोशिश की है, लेकिन वे उभर नहीं सके हैं। इसका यह अर्थ नहीं है कि कोई दूसरा दल राष्ट्रीय पार्टी नहीं बन सकता, लेकिन ऐसा रातोंरात नहीं होगा इसके लिए वक्त चाहिए। पीके ने कहा, सैद्धांतिक तौर पर कोई भी दल राष्ट्रीय पार्टी बन सकता है, लेकिन इतिहास में आप देखते हैं, तब पता चलता है कि भाजपा और कांग्रेस ही पूरे भारत तक पहुंच पाए हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि कोई दूसरा दल ऐसा नहीं कर सकता। लेकिन इसके लिए लगातार 15 से 20 सालों तक संघर्ष करने की जरूरत है। ऐसा कोई बदलाव रातोंरात नहीं होगा। पंजाब के विधानसभा चुनाव में आप के क्लीन स्वीप करने को लेकर सवाल पूछने पर प्रशांत किशोर ने यह बात कही। पीएम मोदी की लोकप्रियता को लेकर भी प्रशांत किशोर ने कहा कि आज भी उनके समर्थक डटे हुए हैं। साथ ही पीके ने कहा कि किसी के लोकप्रिय होने का यह मतलब कतई नहीं है कि वह चुनाव नहीं हार सकता है, जैसा कि बंगाल में हुआ है। इसके बाद उन्होंने उदाहरण अखिलेश यादव का दिया। किशोर ने कहा कि अखिलेश की सभाओं में खूब भीड़ आ रही थी और 30 फीसदी से ज्यादा वोट मिला, इसके बाद भी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा की 4 राज्यों में जीत के बाद क्या बेरोजगारी और महंगाई मुद्दे नहीं रह गए हैं? इस पर पीके ने कहा कि ऐसा नहीं है। भाजपा को 38 फीसदी वोट मिले हैं, जबकि 62 फीसदी लोगों ने उनके खिलाफ मतदान दिया है। इसका अर्थ हुआ कि देश के 100 में से 38 लोग ही उनके साथ हैं। लेकिन बात यह है कि ये जो 62 लोग हैं, वे वोटिंग पैटर्न के मामले में एकजुट नहीं हैं, उसका फायदा एक दल को मिल जाता है।

बिहार और झारखंड में ठप्प हो सकती हैं मोबाइल सेवाएं

नई दिल्ली । बिहार और झारखंड राज्य में मोबाइल सेवाओं पर खतरे की घंटी मंडरा रही है। कुछ कथित यूनियनों ने बिहार और झारखंड क्षेत्र में दूरसंचार सेवाओं को बाधित करने की धमकी दी है। इसको लेकर भारत में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं की एक शीर्ष प्रतिनिधि संस्था %डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स एसोसिएशन% (डीआईपीए), ने मंगलवार को बिहार और झारखंड की सरकारों से ÷स्व-घोषित÷ यूनियनों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स एसोसिएशन (डीआईपीए) के महानिदेशक टीआर दुआ ने अपने बयान में कहा, ÷एक स्व-घोषित यूनियन ने विशेष रूप से मौद्रिक लाभ के संबंध में उनकी कथित अवैध मांगों को पूरा नहीं करने पर दोनों राज्यों - बिहार और झारखंड में दूरसंचार सेवाओं को बाधित करने के लिए एक अवैध धमकी दी है। दुआ ने अपने बयान में कहा हमने झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह और बिहार के मुख्य सचिव, अमीर सुधानी से अनुरोध किया है कि वे सभी जिलों में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्बाध दूरसंचार कनेक्टिविटी और दूरसंचार कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने में तत्काल हस्तक्षेप करें। डीआईपीए के सदस्यों में इंडस टावर्स, अमेरिकन टावर कॉर्पोरेशन, समिट डिजीटेल रिलायंस जियो इंफ्राटेल और टावर विजन शामिल हैं। डीआईपीए द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, डीजल पर निर्भरता कम करने की टावर कंपनियों की पहल यूनियनों को रास नहीं आ रही है। डीआईपीए ने कहा डीजल की कमी यूनियनों को रास नहीं आ रही है, और अगर डीजल की सप्लाई में एक लीटर भी कटौती की जाती है, तो वे जबरदस्ती कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं।

आजम खान की शपथ पर लगा ग्रहण विधानसभा जाने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली । समाजवादी पार्टी (सपा) नेता आजम खान को विधानसभा में जाकर शपथ नहीं ले पाएंगे। कोर्ट ने जेल प्रशासन की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें शपथ ग्रहण के लिए आजम खान को विधानसभा ले जाने की अनुमति मांगी गई थी। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि आजम खान ने खुद की इच्छा जाहिर की थी कि वह आज नहीं जाना चाहते हैं। यूपी विधानसभा में जीतकर आए प्रदेश के सभी विधायकों को शपथ दिलाई जा रही है। सोमवार को सबसे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधायक के रूप में शपथ ली तो उनके बाद नेता विपक्ष अखिलेश यादव ने भी शपथ ग्रहण किया। पहले दिन 343 विधायकों के शपथ के बाद यह सिलसिला आज भी जारी है। हालांकि, नाहिद हसन, आजम खान जैसे कुछ विधायक जेल में बंद हैं। इनका शपथ ग्रहण अभी नहीं हो पाया है। गौरतलब है कि आजम खान इससे पहले रामपुर से लोकसभा सांसद थे। उन्होंने हाल ही में लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया है। आजम खान इस समय सीतापुर जेल में बंद हैं।

सार समाचार

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को अस्पताल में भर्ती कराया गया

ब्रासीलिया। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में उनकी आंत संबंधी जांच होने की संभावना है। सुरक्षा मंत्री, जनरल ऑगस्टो हेलेनो ने सोमवार देर रात 'द एसोसिएटेड प्रेस' से बोल्सोनारो को ब्रासीलिया के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराए जाने की पुष्टि की। बोल्सोनारो के पेट में 2018 में एक राजनीतिक रैली के दौरान चाकू घोंपा गया था, इसके बाद से उनके कई ऑपरेशन हुए हैं और कई बार उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ब्राजील की मीडिया की खबरों के अनुसार, राष्ट्रपति को दोपहर का भोजन करने के बाद से ही कुछ परेशानी हो रही थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की भारत यात्रा स्थगित

यरुशलमें, इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की अगले सप्ताह होने वाली भारत यात्रा स्थगित कर दी गई है और इसके लिए नई तिथि तय की जाएगी। प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बेनेट की जांच में रविवार शाम को कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई थी और अभी वह घर पर पृथक-वास में रहकर काम कर रहे हैं। वह तीन से पांच अप्रैल के बीच भारत की यात्रा करने वाले थे।मीडिया सलाहकार ने कहा, ह्लप्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की भारत यात्रा स्थगित कर दी गई है और इसके लिए नई तारीख तय की जाएगी।

अफगानिस्तान में दमनकारी आदेशों की झड़ी, तालिबान कट्टरपंथियों ने अफगानिस्तान में पुराने दिनों की यादें ताजा कीं

इस्लामाबाद। तालिबान के कट्टरवादी अफगानिस्तान में पिछले कुछ दिनों से उन दमनकारी आदेशों की झड़ी लगा रहे हैं जो 1990 के दशक के आखिर में उनके कठोर शासन की याद दिलाते हैं। लड़कियों को छठी कक्षा से आगे स्कूल जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, महिलाओं के बिना पुरुष रिश्तेदार के अकेले विमान में चढ़ने पर रोक लगा दी गई है। पुरुष और महिलाएं केवल अलग-अलग दिनों में सार्वजनिक पार्कों में जा सकते हैं और विश्वविद्यालयों में मोबाइल फोन का उपयोग प्रतिबंधित है। यह सब यहीं खत्म नहीं होता। अफगानिस्तान की दो भाषाओं - पश्तो और फारसी में बीबीसी सेवाएं समेत अंतरराष्ट्रीय मीडिया का प्रसारण सप्ताहांत में बंद कर दिया गया है। इसी तरह से विदेशी ड्रामा सीरीज का प्रसारण भी बंद कर दिया गया है। अफगानिस्तान में 20 साल के युद्ध के बाद अमेरिका और नाटो पीछे हट गए और तालिबान ने अगस्त2021 के मध्य में देश पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चिंता थी कि वे अफगानिस्तान में पूर्व में अपने शासन के दौरान लागू सख्त कानूनों को फिर से अमल में लाएंगे। महिलाओं के अधिकारों पर हालिया हमला इस महीने की शुरूआत में हुआ, जब तालिबान सरकार छठी कक्षा के बाद लड़कियों को स्कूल में पढ़ने की अनुमति देने के अपने वादे से मुकर गई। विशेष रूप से तालिबान द्वारा 'सभी जरूरी मुद्दों पर आश्वासन दिए जाने' के बावजूद इस कदम ने दुनिया के अधिकतर लोगों और अफगानिस्तान में कई लोगों को स्तब्ध कर दिया। संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रसारण पर प्रतिबंध को 'अफगानिस्तान के लोगों के खिलाफ एक और दमनकारी कदम' बताया है। बीबीसी पश्तो सेवा की वेबसाइट ने कहा कि यह 'अनिश्चितता और अशांति के समय में एक चिंताजनक घटनाक्रम है।'

पाकिस्तान के विदेश मंत्री अफगानिस्तान मुद्दे पर बैठक के लिए चीन रवाना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी अफगानिस्तान पर एक बैठक में शामिल होने के लिए मंगलवार को चीन रवाना हो गए। विदेश कार्यालय (एफओ) के अनुसार, अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की तीसरी बैठक 29 से 31 मार्च तक होने वाली है। बैठक मध्य चीन के अनहुई प्रांत के तुंगशी में होगी। एफओ ने कहा, 'पड़ोसी देशों की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के अलावा, विदेश मंत्री बैठक में हिस्सा लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।' इस बैठक से इतर, चीन के विदेश मंत्री वांग यी के अपने समकक्ष विदेश मंत्रियों और अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के बीच बातचीत की मेजबानी करने की उम्मीद है। इंडोनेशिया और कतर के विदेश मंत्रियों को 'अतिथि' के रूप में बैठक में आमंत्रित किया गया है। पिछले साल अगस्त में तालिबान द्वारा सत्ता अपने हाथ में लेने के बाद अफगानिस्तान की स्थिति पर एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण विकसित करने के इरादे से पाकिस्तान ने सितंबर 2021 में पड़ोसी देशों के प्रारूप की शुरूआत की थी। अफगानिस्तान में गंभीर आर्थिक और मानवीय संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तालिबान शासन को मान्यता नहीं मिली है। पाकिस्तान ने आठ सितंबर, 2021 को पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की पहली बैठक की मेजबानी की थी। विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अफगानिस्तान पर एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण का पूरी तरह से समर्थन करता है। विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान शांतिपूर्ण, स्थिर, संप्रभु, समृद्ध और संपर्कयुक्त अफगानिस्तान के साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों का समर्थन करना जारी रखेगा। कुरैशी को चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी ने आमंत्रित किया है।

बुद्ध की मूर्तियों को तोड़ने वाला तालिबान, अब क्यों करने लगा है उनका सरंक्षण?

अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है और तालिबान अफगानिस्तान को चला रहा है। तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर तो कब्जा कर लिया लेकिन उसे भी यह बात अच्छे से मालूम है कि देश सिर्फ बंदूकों के बल पर ही नहीं चलाया जा सकता। देश को चलाने के लिए जरूरत होती है रुपये-पैसों की यानी आपका देश आर्थिक रूप से संपन्न होना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न होना तो दूर की बात है अफगानिस्तान इस वक्त आर्थिक संकट के दलदल में फंसा हुआ नजर आ रहा है। इतना ही नहीं तालिबान जबसे अफगानिस्तान की सत्ता पर बैठा है, तमाम दूसरे देशों ने उस पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। ऐसे में तालिबानी चीन से उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्हें उम्मीद है कि चीन आर्थिक संकट से उबरने में उनकी मदद कर सकता है। चीन को लुभाने के लिए तालिबानी अब बुद्ध प्रतिमा का संरक्षण कर रहे हैं।

बता दें कि चीन में बुद्ध को काफी माना जाता है। तालिबानियों की ओर से बामियान बुद्ध की मूर्ति तोड़ने पर चीन में काफी विरोध हुआ था। मसलन, तालिबान को भी यह बात पता है कि कट्टरवाद का रास्ता उसके देश के विकास और निवेश के रास्ते में रुकावट पैदा कर सकता है। लिहाजा अब तालिबान अपने स्वार्थ में और चीनी निवेश के लिए बुद्ध की प्रतिमाओं का संरक्षण कर रहा है। कभी बुद्ध की मूर्ति तोड़ने वाले तालिबानी आज चीन को लुभाने के लिए तमाम कोशिशें कर रहे हैं।

तालिबान प्रमुख हकुमुल्लाह मुजारिब ने कहा कि यहां पहली सदी के बौद्ध भिक्षुओं द्वारा बनाए गए मठ के भग्नावशेष हैं। मुजारिब ने कहा पहले वह अमेरिकी सैनिकों से लड़ता था। अमेरिकी फौज वापस चली गई तो उसे इस जगह की रखवाली का काम दे दिया गया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अफगानिस्तान अकूत खनिज भंडार है। अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद कई देश चाहते हुए भी यहां निवेश नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया हुआ है। अगर चीन यहां निवेश करता है तो अफगानिस्तान को बड़ा फायदा होगा और उसे अपनी आर्थिक सेहत सुधारने में मदद मिलेगी। आपको बता दें वर्ष 2008 में हामिद करजई प्रशासन ने चीनी कंपनी के साथ खनन के लिए 30 वर्षों का अनुबंध किया था। लेकिन यहां हो रही लगातार हिंसा की वजह से यह अनुबंध पूरा नहीं हो पाया और 2014 में ही चीन के लोग खनन का काम अधूरा छोड़ कर चले गए। बता दें दो दशक पहले जब इस्लामी कट्टर तालिबान पहली बार सत्ता में आए थे , तो उन्होंने देश के दूसरे हिस्सों में बुद्ध की विशाल प्रतिमाओं को नष्ट कर दिया था। तालिबानियों ने बुद्ध की प्रतिमाओं को बुत परस्त कहते हुए नष्ट किया था।

बैंकाक में कोविड-19 का टीका लगवाते हुए एक बच्चा।

भारत के लिए कोविड-19 यात्रा नियमों में अमेरिका ने दी ढील, हाई रिस्क से लो रिस्क में बदली यात्रा

वाशिंगटन । भारत में कोरोना के घटते केसों के बाद अब यात्राओं से पाबंदियां हटनी शुरू हो गई है। इसी बीच, यूएस सेंटर फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने भारत के लिए अपनी कोविड-19 यात्रा एडवाइजरी में ढील देने का निर्णय लिया है। सीडीसी ने बताया कि उसने भारत के लिए अपनी कोविड-19 यात्रा को लेवल 3 (हाइ रिस्क) से लेवल एक (लो रिस्क) में बदल दिया है।

दरअसल, सीडीसी ने कोविड-19 के कारण एक लेवल 1 ट्रैवल हेल्थ नोटिस जारी किया है। जो देश में कोविड-19 के निम्न स्तर का संकेत देता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि अगर आपने एफडीए से प्रमाणित वैक्सीन की पूरी डोज लगवा ली है। तो यह कोविड-19 और उसके दूसरे लक्षणों को कम करता है। बयान में कहा गया है किसी भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा की योजना बनाने से पहले कृपया टीकाकरण और बिना टीकाकरण वाले यात्रियों के लिए सीडीसी की विशिष्ट सिफारिशों की समीक्षा करें।

भारत के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए सीडीसी ने कहा यह सुनिश्चित करें कि भारत यात्रा करने से पहले आपने कोविड19 का टीका लगवा लिया है। भले ही आप अपने कोरोना टीकों के साथ अप टू डेट हों। अभी भी कोविड-19 होने और वायरस के फैलने का खतरा बरकरार है। 2 साल या उससे अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को इनडोर सार्वजनिक स्थानों पर अच्छी तरह से फिट होने वाला मास्क पहनना चाहिए। भारत में सभी आवश्यकताओं और सिफारिशों का पालन करें।

बाइडन ने दी पुतिन को चेतावनी, बोले- नाटो की सीमा में एक इंच भी दाखिल होने की न सोचें

वाशिंगटन (एजेंसी)

रूस और यूक्रेन के बीच एक महीने से भी ज्यादा समय से जंग जारी है। ना तो यूक्रेनी सेना मैदान छोड़ने को तैयार है और ना ही पुतिन अपनी जीद छोड़ने को तैयार हैं। दोनों देश अभी तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं, ऐसे में जंग रुकने की कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। दोनों देशों में चल रही जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर रूस को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। रूस को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा है कि रूस नाटो की सीमा में एक इंच दाखिल होने की ना सोचे नहीं तो इसके परिणाम बहुत बुरे होंगे। आपको बता दें बाइडन ने रूस को ये चेतावनी नाटो संगठन की बैठक के बाद दी है। बैठक के बाद बाइडन ने कहा नाटो एकजुट है और उसे तोड़ा नहीं जा सकता। पुतिन के प्रति बाइडन की अचानक बढ़ी सख्ती की वजह है? रूसी राष्ट्रपति पर बाइडन की चेतावनी कितना असर डालेगी?

वैश्विक मामलों के जानकार हर्ष बी पंत कहते हैं नाटो संगठन की बैठक में बाइडन का दिया गया बयान बहुत अहम है। उन्होंने यह बयान इसलिए भी दिया है क्योंकि वो नाटो के सदस्य देशों की चिंता दूर करना चाहते हैं। दरअसल यूक्रेन से सटे हुए जितने भी देश है उनमें पुतिन के आक्रामक रवैए की वजह से चिंता है। अमेरिका नाटो का प्रमुख देश है। इसलिए बाइडन का ये बयान नाटो देशों को विश्वास जरूर दिलाएगा।

हर्ष वी पंत कहते हैं पुतिन यूक्रेन को लेकर पुतिन जंग रुकने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति यह भी कह चुके हैं कि जो इस जंग में यूक्रेन के साथ शामिल होगा उसकी खैर नहीं। उनका साफ कहना था कि जंग रूस और यूक्रेन के बीच है उसमें किसी को पड़ने की जरूरत नहीं है। इसीलिए अमेरिका ने भी चीन को चेतावनी दी कि वह रूस का सहयोग न करें। लेकिन नाटो देशों की चिंता इसलिए बढ़ गई क्योंकि उन्हें यह बहुत अच्छे से मालूम है कि अगर रूस ने परमाणु युद्ध शुरू किया तो इसकी जांच नाटो के सदस्य देशों तक भी जरूर पहुंचेगी। वह कहते हैं जबसे पुतिन ने अपनी परमाणु विंग को अलर्ट पर रहने के आदेश के बाद ही नाटो संगठन की बैठक शुरू हुई। इसके बाद ही नाटो सेनाओं की तैनाती यूक्रेन से सटे देशों में की गई। अपना तो इस बात का इंतजार कर रहा है कि रूस अगला कदम क्या उठाएगा। अगर पुतिन इस जंग को परमाणु हथियारों की जंग बनाते हैं तो यह केवल यूक्रेन और रूस के बीच सीमित नहीं रहेगी। ऐसे में नाटो की सेनाओं को जंग के मैदान में उतरना होगा। अगर नाटो इस जंग में उतरा तो अमेरिका को भी इस जंग में हिस्सा लेना होगा। ऐसे में बाइडन की चेतावनी के बाद यह देखना होगा कि पुतिन आगे क्या कदम उठाते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रूसी राष्ट्रपति के आदेश के बाद रूसी नौसेना ने अपने कई परमाणु पनडुब्बियों को उत्तरी अटलांटिक महासागर में उतार दिया है। कई पनडुब्बियां 16 बैलिस्टिक मिसाइलें ले जा सकती हैं। रूस के इस कदम के बाद नाटो देशों की खुफिया एजेंसियों ने रूस के न्यूक्लियर हथियारों पर पैनी नजर रखी हुई है। वहीं ब्रिटेन ने रूसी पनडुब्बियों को खतरा ना मानते हुए इसे रूस की एक चेतावनी बताया है।

नाटो को मजबूती प्रदान करने को अमेरिका ने नौसेना के छह विमान तैनात किए

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा है कि पूर्वी यूरोप में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वह नौसेना के छह विमान तैनात कर रहा है, ये विमान इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में विशेषज्ञता रखते हैं। इसके अलावा अमेरिका पूर्वी यूरोप में लगभग 240 नौसैनिकों को तैनात कर रहा है। पेंटागन प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि वाशिंगटन प्रांत में नौसेना अड्डा व्हिडबे द्वीप पर स्थित ईए-18जी ग्रोलर विमान सोमवार को जर्मनी के स्पैंगदहलेम हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे, जहां उन्हें तैनात किया जाएगा। पेंटागन के प्रवक्ता के मुताबिक इन विमानों का इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में नहीं किया जाएगा। इस बीच, एक वरिष्ठ अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर आंतरिक अमेरिकी खुफिया आकलन पर चर्चा करते हुए कहा कि यूक्रेन में जमीनी स्तर पर स्थिति में बहुत कम बदलाव आया है।

पाक पीएम इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश, 31 मार्च को फैसला

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तानी संसद में प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश हो गया है। इसके बाद संसद की कार्यवाही 31 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं। स्पीकर ने कहा कि 31 मार्च को शाम 4 बजे अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होगा, जो इमरान सरकार की तकदीर तय करेगा। इमरान सरकार के खिलाफ पेश प्रस्ताव को 161 सांसदों ने समर्थन किया है। इमरान के खिलाफ यह अविश्वास प्रस्ताव विपक्ष के नेता शाहबाज शरीफ ने पेश किया। उन्होंने कहा कि देश की जनता का इमरान खान नियाजी की सरकार पर भरोसा नहीं रहा गया है, इसके बाद सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराया जाना चाहिए।

पाक संसद के स्पीकर ने सदस्यों की गिनती के बाद कहा कि 161 सांसदों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। इसके बाद शाहबाज शरीफ ने इमरान के खिलाफ लाए अविश्वास प्रस्ताव को पढ़ा। पाकिस्तान की संसद में शुक्रवार को ही इमरान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश होना था, लेकिन स्पीकर असद कैसर ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी।

कहा जा रहा है, कि इमरान सरकार की रणनीति के तहत सदन की कार्यवाही स्थगित की गई थी ताकि वह कुछ सांसदों को अपने पक्ष में ला सकें। रविवार को इमरान खान ने इस्लामाबाद में एक बड़ा जलसा भी किया था, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए थे। इस जलसे में इमरान खान ने कहा था कि विदेशी ताकतों की मदद से उनकी सरकार को गिराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा इमरान ने नवाज शरीफ, फजलुर्रहमान और बिलावल भुट्टो जरदारी पर हमला बोलकर कहा था कि मेरी सरकार के खिलाफ सारे डाकू एकजुट हो चुके हैं। यही नहीं अपने संबोधन में इमरान खान ने कहा था कि 1990 के बाद की हमारी सरकारें नालायक रही हैं और इसी के चलते हम पिछड़ते चले गए, जबकि हमारा पड़ोसी मुल्क भारत आगे निकल गया।

रक्षा, आर्थिक, शिक्षा, धार्मिक सहयोग के लिए श्रीलंका-भारत के बीच हुआ समझौता

कोलंबो (एजेंसी)

पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के हिमायती भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की श्रीलंका यात्रा के पहले दिन रक्षा, आर्थिक, शिक्षा, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करते हुए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। तीन राजपक्षे भाइयों- राष्ट्रपति गोटाबाया, प्रधानमंत्री महिंदा और वित्त मंत्री बेसिल के साथ-साथ विदेश मंत्री जीएल पेइरिस से मुलाकात करते हुए, जयशंकर ने छह समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जो दोनों देशों और भविष्य के सहयोग के लिए महत्वपूर्ण हैं। सुरक्षा के मोर्चे पर, भारत से 6 डॉलर मिलियन के अनुदान के साथ एक समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारत सरकार के स्वामित्व वाली एयरोस्पेस और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा निर्मित, परियोजना के साथ भारत श्रीलंका को तीन डोर्नियर समुद्री निगरानी विमान और श्रीलंका नौसेना को 4,000 मीट्रिक टन फ्लोटिंग बार्ज प्रदान करना है। एमआरसीसी को श्रीलंका नौसेना मुख्यालय के अंदर स्थापित किया जाना है और सात अन्य उप-इकाइयों को देश भर में तैनात किया जाना है, जिसमें एक दक्षिणी शहर हंबनटोटा में स्थित है, जहां चीन की ओर से संचालित

बंदरगाह स्थित है। 30 करोड़ रुपये के अनुदान पर श्रीलंका विशिष्ट डिजिटल पहचान (एसएल-यूडीआई) कार्यक्रम को लागू करने के लिए एक अलग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हालांकि दोनों परियोजनाओं की श्रीलंका के विपक्ष और कार्यकताओं ने आलोचना की है कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर देश के राष्ट्रीय संसाधनों को बेच रही है। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि एसएल-यूडीआई परियोजना के साथ बायोमेट्रिक्स सहित सभी श्रीलंकाई लोगों की पूरी डिजिटल पहचान भारत के हाथों में होगी। जाफना से तीन द्वीपों में हाइब्रिड विद्युत परियोजनाओं को लागू करने के लिए एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जहां पहले प्रस्तावित चीनी परियोजना को भारत द्वारा आपत्ति के बाद रद्द कर दिया गया था। भारत ने तमिलनाडु तट पर रामेश्वरम के करीब श्रीलंकाई द्वीपों में चीनी उपस्थिति पर आपत्ति जताई है। हस्ताक्षर किए गए अन्य समझौता ज्ञापनों में श्रीलंका में मत्स्य बंदरगाह के विकास के लिए हैं। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने हाल ही में श्रीलंका को दी गई लगभग 2.5 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता के लिए भारत को धन्यवाद दिया और जयशंकर ने कोलंबो की आर्थिक सुधार प्रक्रिया में नई दिल्ली के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। श्रीलंका में महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों के रखरखाव के लिए 15 मिलियन डॉलर देने के लिए प्रधान मंत्री महिंदा राजपक्षे की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। जयशंकर ने उत्तरी प्रांत के लोगों के लिए सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के उद्देश्य से भारत की अनुदान सहायता से निर्मित जाफना सांस्कृतिक केंद्र में अत्याधुनिक थिएटर का वर्चुअल उद्घाटन किया।

आसरे की तलाश में यूक्रेन से भागी महिलाएं, दूसरे देशों में भी मुश्किल हालात में

डेनवर (एजेंसी)

युद्ध से बचने का प्रयास अपने आप में खतरनाक होता है। मीडिया ने खबर दी है कि यूक्रेन की शरणार्थी महिलाओं और लड़कियों के साथ उन जगहों पर बलात्कार किया जा रहा है जहां वह सुरक्षा की उम्मीद में पहुंची थीं। 24 फरवरी, 2022 को रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन छोड़ने वाले 36 लाख यूक्रेनी लोगों में लगभग सभी महिलाएं और बच्चे हैं। 18 से 60 वर्ष की आयु के पुरुषों और लड़कों को रूसी सेना के खिलाफ देश की रक्षा के लिए यूक्रेन में रहना आवश्यक है। नागरिकों को निशाने पर लेकर किए जा रहे रूसी हमलों से बचने के लिए, ये महिलाएं और बच्चे मुख्य रूप से पोलैंड और अन्य यूरोपीय देशों कर रूख कर रहे हैं, जहां वीजा बंदिशों में नरमी है। मानवीय संगठनों ने यूक्रेनी शरणार्थियों को भोजन और आश्रय जैसी जरूरतें देने के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं। दुनियाभर में लोग अपने घरों में इन लोगों को रहने की जगह दे रहे हैं। जर्मनी में एक न्यूरोसाईंटिस्ट ने 24 मार्च, 2022 को ट्विटर पर लिखा कि एक सुबह उसे एक फोन आया, जिसमें फोन करने वाले ने उसे याद दिलाया कि उसने स्वेच्छा से शरणार्थियों की मेजबानी की पेशकश की है। अब, दो बच्चों वाली एक माँ और एक बिल्ली को मदद की जरूरत थी। फोन करने वाले का सवाल था ह्यह्यक्या आप उन्हें अपने घर में रख सकती हैं?

न्यूरोसाईंटिस्ट ने कहा, ठीक है, कब? ... जवाब आया अभी। और 15 मिनट बाद, वे एक स्वयंसेवक के साथ उनके दरवाजे पर थे।ह्ल यूनाइटेड किंगडम ने एक नई नीति की घोषणा की जो यूक्रेनियन को बिना शुल्क अपने घर में रखने वाले स्थानीय लोगों को प्रति माह लगभग 455 डॉलर का अनुदान देगी। लेकिन ये प्रयास, चाहे कितने भी अच्छे क्यों न हों, यूक्रेनी महिलाओं और लड़कियों के लिए यौन हिंसा और तस्करी के नए जोखिम लेकर आते हैं। हालांकि मदद की पेशकश करने वाले अधिकांश सामान्य लोग नेक इरादे वाले होते हैं, लेकिन मौके का फायदा उठाकर किसी को किसी तरह का नुकसान पहुंचाने का एक मामला भी अपने आप में बहुत है। मेरे शोध से पता चलता है कि मानवीय सहायता कर्मियों तक को भी नागरिकों के खिलाफ दुर्व्यवहार करने से रोकना मुश्किल है, आंशिक रूप से संगठनात्मक संस्कृतियों के कारण।

यौन हिंसा को रोकना और उसका जवाब देना और भी चुनौतीपूर्ण है जब यह उन लोगों द्वारा किया जाता है जो किसी सहायता प्रदान करने वाली एजेंसी या शरणार्थियों की मदद करने वाली गैर-लाभकारी संस्था के लिए काम नहीं करते हैं। जोखिम को समझना संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन से भागने वाले बच्चों, विशेष रूप से परिवार से अलग हुए बच्चों को यौन शोषण अथवा काम कराने के लिए तस्करी के उच्च जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। अब तक, कम से कम 500 यूक्रेनी बच्चे 24 फरवरी से 14 मार्च के बीच अपने आप यूक्रेन से सीमा पार करके रोमानिया पहुंच चुके हैं।

सुविचार

मन एक भीरु शत्रु है जो सदैव पीठ के पीछे से वार करता है। - प्रेमचंद

संपादकीय

अशोभनीय व्यवहार

पश्चिम बंगाल विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच हाथापाई और नेता प्रतिपक्ष समेत पांच भाजपा विधायकों के निलंबन की घटना एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार कर गई। बीरभूम हिंसा को लेकर नाराज विपक्ष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी कर रहा था, क्योंकि उनके पास गृह मंत्रालय भी है। इसी दौरान सत्ता पक्ष के विधायक भी आक्रामक हो उठे और यह अशोभनीय घटना घट गई। यह सिर्फ पश्चिम बंगाल विधानसभा की बात नहीं है, देश की लगभग तमाम विधायी संस्थाओं में हर कुछ अंतराल पर ऐसे अशोभनीय दृश्य उपस्थित होने लगे हैं और यह लोकतंत्र के खैरख्वाह तमाम भारतीयों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। अभी कितने दिन हुए हैं, जब बिहार विधानसभा में विधानसभाध्यक्ष को मार्शल बुलाना पड़ा था? अगर इस स्थिति पर सभी पार्टियां गंभीरता से चिंतन नहीं करेंगी, तो ऐसी घटनाओं को लगातार देख-सुनकर हमारी आने वाली नस्लों के लिए यह यकीन करना भी मुश्किल हो जाएगा कि इसी देश के संसदीय लोकतंत्र ने ऐसा भी दौर देखा है, जब सत्ता पक्ष के सदस्य अपने ही प्रधानमंत्री पर तंज कर दिया करते थे और नेता, सदन उसे आदर के साथ स्वीकार भी कर लेते थे। अब तो स्थिति यह है कि सत्ता पक्ष, विपक्ष से भी ठकुरसुहाती की अपेक्षा करने लगा है, जबकि वह जानता है कि लोकतंत्र में उन दोनों की भूमिकाएं अलग हैं। रचनात्मक आलोचना तो किसी भी विपक्ष का पहला सांविधानिक दायित्व है और पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा विधायकों को यह अख्तियार है कि वे किसी शासकीय चूक पर, प्रशासनिक लापरवाही पर सरकार से जवाब-तलब करें। काश! सबने अपनी लक्ष्मण-रेखा पहचानी होती। भारतीय लोकतंत्र के आगे इस वक्त जो सबसे गंभीर चुनौती है, वह विधायी सदनों के उपयुक्त संचालन की है। विडंबना यह है कि हमारे जन-प्रतिनिधियों का उचित प्रशिक्षण नहीं हो रहा। याद नहीं आता कि किसी पार्टी ने अपने सांसदों-विधायकों के लिए पिछला प्रशिक्षण शिविर कहां और कब आयोजित किया था? ऐसे शिविर सदस्यों को संसदीय कार्यों की बारीकियां ही नहीं सिखाते, बल्कि सदन के भीतर आचरण के विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराते हैं। इतना ही नहीं, सदनों के भीतर संसदीय दल के नेताओं ने भी अभिभावकीय भूमिका छोड़ दी है। इसलिए शाब्दिक तकरार शारीरिक दुर्व्यवहार तक पहुंचने लगी है। इन सबसे जनता की नजरों में जन-प्रतिनिधियों की प्रतिष्ठा को कितनी चोट पहुंच चुकी है, इसे बार-बार दर्ज कराने की भी आवश्यकता नहीं। इसलिए बेहतर होगा कि जिम्मेदार राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने घरों की सफाई सबसे पहले करें। एडीआर की चुनाव-दर-चुनाव रिपोर्ट बता रही है कि निर्वाचित सदनों का चरित्र क्यों बदल रहा है? किसी-किसी सूबे की विधानसभा में तो दागी विधायकों की तादाद 50 प्रतिशत तक पहुंचने लगी है। ऐसे में, कैसे अपेक्षा की जा सकती है कि वहां मर्यादाएं बहाल रहेंगी? देश के तमाम राजनीतिक दलों को यह बात भी याद रखने की जरूरत है कि सफल लोकतंत्रों में सिर्फ शोर-गुल से नहीं, कहकहों से भी बातें बनती हैं। साफ है, सत्ता और विपक्ष जब तक एक-दूसरे को विश्वास में नहीं लेंगे, तब तक पश्चिम बंगाल विधानसभा जैसी अप्रिय स्थितियां पैदा होती रहेंगी और इससे भारतीय लोकतंत्र कतई सुर्खरू नहीं होगा।

प्रतिवर्ष 70 लाख लोगों की जान ले रहा है वायु प्रदूषण

- योगेश कुमार गोयल

स्विस संगठन 'आईक्यू एयर' द्वारा हाल ही में 2021 की 'वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट' जारी की गई है, जिसमें दुनियाभर के कुल 117 देशों के 6475 शहरों के डेटा का विश्लेषण करने के बाद यह निष्कर्ष सामने आया है कि विश्व का कोई भी शहर ऐसा नहीं है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित किए गए मानकों पर खरा उतरता हो। डब्ल्यूएचओ की यूएन एनवायरमेंट प्रोटेक्शन एजेंसी द्वारा इस रिपोर्ट के आधार पर विश्वभर के शहरों की एयर क्वालिटी की जो रैंकिंग जारी की गई है, उसके मुताबिक वायु प्रदूषण के मामले में भारत की स्थिति तो बेहद खराब है। रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में भारत छठे स्थान पर है लेकिन चौंकाने वाली स्थिति यह है कि प्रदूषण पर लगाम लगाने की तमाम कवायदों के बावजूद देश की राजधानी दिल्ली फिर से दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी के रूप में सामने आई है। इतना ही नहीं, दुनियाभर के 50 सबसे ज्यादा खराब एयर क्वालिटी वाले शहरों में से 35 शहर तो भारत के ही हैं। मध्य और दक्षिण एशिया के सर्वाधिक प्रदूषित 15 शहरों में 12 भारत के हैं। भारत के संदर्भ में तो रिपोर्ट का सार यही है कि राजधानी दिल्ली के अलावा भी देश के अधिकांश स्थानों पर लोग प्रदूषित हवा में सांस लेने को विवश हैं, जिस कारण उनमें तमाम गंभीर बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। वायु प्रदूषण स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालते हुए कई गंभीर बीमारियों का कारण तो बनता ही है, साथ ही इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को भी बहुत बड़ी चोट पहुंचती है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वायु प्रदूषण संकट की आर्थिक लागत भारत जैसे देश के लिए सालाना 150 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो सकती है। वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वर्ष 2021 में पीएम2.5 का वार्षिक औसत स्तर 58.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया था जबकि राजधानी दिल्ली में यह 2020 के पीएम2.5 के वार्षिक औसत स्तर 84 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के मुकाबले 2021 में 14.6 फीसदी वृद्धि के साथ 96.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर पहुंच गया। दिल्ली में प्रदूषण का यह स्तर डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित मानकों से 19 गुना से भी ज्यादा है। राजस्थान का भिवाड़ी 106.2 पीएम2.5 स्तर के साथ सबसे प्रदूषित क्षेत्रीय शहर है जबकि दूसरे स्थान पर 102 पीएम2.5 के साथ गाजियाबाद है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 15 शहर तो ऐसे हैं, जहां पीएम2.5 का स्तर निर्धारित मानकों से 17 से 21 गुना ज्यादा है। ऐसे में सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर खतरे किस कदर बढ़ रहे हैं। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण करते हुए बताया गया है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने और वायु प्रदूषण के निरन्तर सम्पर्क में रहने से कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।दरअसल जिस हवा में हम सांस लेते हैं, उसमें मौजूद प्रदूषित कण 'पीएम' (पार्टिकुलेट मैटर) शरीर में प्रवेश कर कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। प्रदूषित हवा में अनेक हानिकारक बैक्टीरिया भी होते हैं, जो सांस के जरिये शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों को निमंत्रण दे सकते हैं। हाल ही में यूनिवर्सिटी ऑफ वेरोना द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने वाले लोगों में कैंसर की बीमारी का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रदूषित हवा में सांस लेने के कारण ही कैंसर, महिलाओं में गर्भपात की समस्या, गंभीर मानसिक समस्याओं के अलावा भी तरह-तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। वायु प्रदूषण के कारण शरीर पर कई तरह के दुष्प्रभाव पड़ते हैं और इससे मौत का खतरा भी बढ़ जाता है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण विश्वभर में प्रतिवर्ष करीब 70 लाख लोगों की जान ले रहा है। वायु प्रदूषण के कारण श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान होता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने से नाक में जलन तथा सूजन की समस्या हो सकती है और नाक तथा श्वांस नली में गंभीर संक्रमण हो सकता है। दूषित वायु में सांस लेने से हृदय की सेहत पर भी गंभीर असर पड़ता है। हृदय में रक्त संचार सुचारू रूप से नहीं हो पाने के कारण रक्त की धमनियां रुक जाती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। हृदय पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों के कारण ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। मानव शरीर की मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर में प्रवेश करने वाली बीमारियों से लड़ने का कार्य करती है किन्तु लंबे समय तक वायु प्रदूषण के सम्पर्क में रहने के कारण लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर गंभीर असर पड़ता है और ऑटोइम्यून बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में शरीर का इम्यून सिस्टम ही शरीर की कोशिकाओं पर हमला कर देता है। दूषित हवा में कई प्रकार की विषैली गैसों का मिश्रण होता हैं, जिसमें सांस लेने से फेफड़ों की कोशिकाएं सही से काम नहीं कर पाती और शरीर में सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता। इस वजह से फेफड़ों के कैंसर का खतरा कई गुना ज्यादा हो जाता है। विभिन्न अध्ययनों से यह पुष्टि हो चुकी है कि वायु प्रदूषण अब किडनी के लिए भी बड़ा खतरा बनने लगा है। दरअसल दूषित वायु में पीएम 2.5 के अलावा शीशा, पारा और कैडमियम जैसे भारी तत्व भी मौजूद होते हैं, जो धीरे-धीरे किडनी को खराब करते हैं। प्रदूषण के कारण शरीर में होने वाली ऑक्सीजन की कमी से किडनियों की कार्यक्षमता बाधित होती है। प्रदूषित माहौल में ज्यादा समय बिताने वाले लोगों की किडनियां रक्त को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाती, जिससे किडनी के अलावा अन्य समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। लिवर पर भी वायु प्रदूषण का बहुत बुरा असर पड़ता है, यह धीरे-धीरे रक्त से विषैले तत्वों को बाहर करने की क्षमता खोने लगता है। वायु प्रदूषण के कारण फैटी लिवर और लिवर कैंसर का खतरा बढ़ता है और ऐसे में लिवर धीरे-धीरे पूरी तरह खराब हो सकता है। वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के ही कारण प्रायः लिवर की एडवांस बीमारी मानी जानी वाली 'लिवर फाइब्रोसिस' की समस्या उत्पन्न होती है, जो बढ़ते-बढ़ते 'लिवर सिरोसिस' का रूप ले लेती है। ऐसी स्थिति में पहुंचने पर यह बीमारी लिवर की कोशिकाओं को नष्ट करने लगती है, जो ऐसे व्यक्ति के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। बढ़ता वायु प्रदूषण अब गंभीर मानसिक समस्याओं का कारण भी बनने लगा है। अनेक अध्ययनों में यह पुष्टि हो चुकी है कि लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने और ऐसे ही वातावरण में रहने से गंभीर मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण का गंभीर असर अब मासूम बच्चों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। गर्भ में पल रहे शिशु के लिए प्रदूषित हवा बहुत खतरनाक हो सकती है, जो शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास पर गहरा असर डालती है। ऐसे शिशुओं को जन्म से ही इम्यून सिस्टम की कमजोरी, सर्दी-जुकाम, निमोनिया जैसी विभिन्न समस्याएं अपनी चपेट में ले सकती हैं और इसके अलावा भी कई प्रकार के विकार हो सकते हैं। बहरहाल, वायु प्रदूषण के अर्थव्यवस्था के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य पर बढ़ते खतरों के मद्देनजर वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट ने एक बार फिर हमें यह सोचने-विचारने का अवसर प्रदान किया है कि यदि हम स्वच्छ और उन्मुक्त हवा में सांस लेकर अपना और अपनी भावी पीढ़ियों का भविष्य बीमारियों रहित बनाना चाहते हैं तो हमें अब सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामुदायिक तौर पर भी वायु प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए गंभीरता से प्रयास करने होंगे।

वानिकी के जरिये जल संरक्षण का प्रश्न

ज्ञानेन्द्र रावत

बीते दिनों केन्द्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा वानिकी के जरिये 24 राज्यों और दो केन्द्र शासित प्रदेशों में होकर बहने वाली यमुना, नर्मदा, झेलम, सतलुज, चिनाब, रावी, व्यास, ब्रह्मपुत्र, लूणी, गोदावरी, महानदी, कृष्णा और कावेरी मिलाकर तेरह नदियों के संरक्षण की घोषणा स्वागत योग्य है। इसके लिए उन्होंने 20 हजार करोड़ की राशि का प्रस्ताव किया है और कहा है कि आने वाले 10 वर्षों में इससे जहां 7417 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र में वृद्धि होगी, वहीं 50.21 मिलियन टन कार्बन डाइआक्साइड सोखने में भी मदद मिलेगी। यही नहीं, इससे जहां हर साल 1.887 घन मीटर ग्राउंड वाटर रिचार्ज होगा, वहीं 964 वर्ग घन मीटर मिट्टी के क्षरण में कमी आयेगी। उनके अनुसार इस अभियान की शुरुआत नर्मदा से की जायेगी। असलियत में यह योजना भविष्य की चुनौतियों से निपटने सहित काप-26 में जतायी प्रतिबद्धता को पूरा किये जाने की दिशा में एक प्रयास है जिसके तहत 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में कमी किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। दावा किया गया है कि इस योजना का शुभारंभ सबसे पहले नर्मदा से ही होगा। गौरतलब है कि नर्मदा का औसतन प्रवाह क्षेत्र चौड़ाई में तकरीबन 20 से 25 किलोमीटर है। उसके दक्षिण में सतपुड़ा और उत्तर में विन्ध्याचल है। कुछ बरस पहले शिवराज सिंह सरकार ने मध्य प्रदेश में पौधरोपण के मामले में विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया था। गौर करने वाली बात है कि उसके बाद अब नर्मदा किनारे क्या ऐसी जमीन भी बची है जहां पौधरोपण किया जा सकेगा। जब नदी के दोनों किनारे के क्षेत्र में पौधरोपण और मिट्टी के क्षरण का सवाल है, तो यह जगजाहिर है कि मिट्टी का क्षरण उन जगहों पर ज्यादा होता है, जहां पानी का प्रवाह ज्यादा होता है। ऐसे में जल भराव होने पर पेड़ों की जड़ें सड़ जाती हैं और पेड़ मर सकते हैं। यह भी कटु सत्य है कि पेड़ों की जड़ें पानी के भराव का काम नहीं कर पाती हैं। पेड़ों के जरिये पानी के भराव की धारणा ही बेमानी है। जहां तक नदी किनारे पेड़ लगाने का सवाल है, तो इसमें सबसे बड़ी बात यह कि नदी के किनारे राइपेरियन जोन होता है। उस जोन में वही वनस्पति पैदा होती है जो नदी के लिए हितकारी होती है। इसलिए वहां उसी किस्म के पेड़ लगाये जाने चाहिए। वन एवं पर्यावरण मंत्री ने यह दावा भी किया है कि गंगा दुनिया की दस स्वच्छ नदियों में से एक है और इन तेरह नदियों के संरक्षण की शुरुआत उन्होंने गंगा के स्वच्छता अभियान में सफलता के बाद की है। जानकारी के लिए बता दें कि गंगा आज भी उतनी ही मैली है जितनी 1986 में थी। गंगा के किनारे सुंदर घाट बना देने से गंगा स्वच्छ नहीं हो जाती। आज भी फरुखाबाद के बाद वाराणसी और उसके आगे का जल प्रदूषित है। आज भी सैकड़ों एसटीपी या तो खराब पड़े हैं और कुछ में तो बिजली की आपूर्ति ही नहीं है। जबकि 1986 में गंगा एक्शन प्लान से लेकर 2014 में शुरू नमामि गंगे परियोजना, जिसमें केन्द्र सरकार के सात मंत्रालयों की प्रतिष्ठा दांव पर थी, हजारों करोड़ स्वाह हो गये, उसके बाद भी देश की राष्ट्रीय नदी, पुण्यदायिनी, पतित पावनी गंगा जस की तस है। नमामि गंगे का हश्र तो सबके सामने है ही। उसमें भी दावा किया गया था कि योजना लागू करने की जिम्मेवारी राज्यों की होगी और अब भी यही कहा जा रहा है कि इस योजना को क्रियान्वित करने की जिम्मेवारी राज्यों की होगी। दरअसल, रिवर फ्रंट और उसके पास सड़कें बना देने से गंगा की स्थिति या किसी नदी की स्थिति में कोई सुधार कहें या बदलाव नहीं आने वाला। ठीक उसी तरह कि देश की वन संपदा में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी हो रही है, जबकि हकीकत में देश में वन क्षेत्र लगातार घट रहा है। सीएसई की रिपोर्ट साबित करती है कि देश से 36 फीसदी वन क्षेत्र गायब है। सरकार के मंत्री घोषणा कर रहे हैं कि इन 13 नदियों के संरक्षण हेतु वानिकी के लिए 20 हजार करोड़ की राशि

का प्रस्ताव किया गया है। इसके लिए बजट आवंटित होगा, रोडमैप बनेगा, उसके बाद काम होगा। समझ नहीं आता कि जब नमामि गंगे की सफलता ही संदिग्ध है और उस पर दावे भले कुछ किये जायें, हकीकत जनता के सामने है। उस दशा में मंत्री के अनुसार इन तेरह नदियों की योजना में देश में इन नदियों की 202 सहायक नदियों को जोड़ा जायेगा, उनका भविष्य क्या होगा, यह सहज ही समझ में आता है। यह भी कि इतिहास इसका प्रमाण है कि नदियों के संरक्षण और शुद्धि हेतु जो भी प्रयास किये गये हैं, उसके अपेक्षित परिणाम नहीं आये हैं। ऐसा लगता है केंद्र सरकार की यह सारी कवायद पिछले बरसों में नदियों के प्रवाह, नदियों के बढ़ते प्रदूषण व रेत के खनन को लेकर जनता के रोष व मीडिया में आ रही चर्चाओं पर विराम लगाने का एक प्रयास है। दरअसल, इस कार्य हेतु एक सक्षम टीम की भी बेहद जरूरत है जो नदियों की समग्रता को समझे और जिनमें जिम्मेदारियों को स्वीकार करने की योग्यता हो तभी कुछ सार्थक परिणाम की आशा की जा सकती है और नदियों की पुरानी भूमिका को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

आज के कार्टुन

आत्मविस्तार

श्रीराम शर्मा आचार्य/ लोग क्या कहते हैं' इस आधार पर दु:खी होने की आदत डालेंगे तो सदैव दु:ख भोगना पड़ेगा। इससे कौन रोक सकता है कि हम सबको अपना समझें, प्यार करें और उस प्यार एवं अपनेपन के कारण जो आनंद उपजे उसका उपयोग करें। अपने प्रेम भाव के कारण बहुत अंशों में दूसरों का व्यवहार नरम, मधुर, सुखकर हो जाता है। कदाचित किसी ऐसे जड़ से पाला पड़े जो उलटा ही उलटा चलता हो तो उसकी गतिविधियों को उपेक्षा की दृष्टि से देखिए। आप तो अपने कर्त्तव्य में प्रसन्न रहिए। संसार में अनेक दुष्टात्मा भरे पड़े हैं, उनके होने से आपको कुछ शोक-संताप नहीं होता। फिर क्या कारण है कि अमुक व्यक्ति के दोषों का दंड आप अपने को दें। दूसरों के बुरे विचार-कार्यों से अपने को प्रभावित न होने दें। सहनशीलता और समझौते की नीति से काम लीजिए। बदला या कर्ज चाहने की इच्छा छोड़कर विशुद्ध प्रेम का, आत्मभाव का प्रसार कीजिए। इससे आप अपने लिए एक स्वर्ग की रचना आसानी से कर सकेंगे। आध्यात्मिक साधना में 'अहंभाव का विस्तार करना'-तत्व रूप में विद्यमान है। आत्मोन्नति यही तो है कि अपनेपन के दायरे को बड़ा बनाया जाए। जिनका अपनापन अपने शरीर तक ही है वे कीट-पतंग से नीची श्रेणी के हैं, जो अपनी संतान तक आत्मभाव को बढ़ाते हैं, पशु-पक्षी उनसे कुछ ऊंचे हैं, जिनका अहंकार अपनी संस्था, राष्ट्र तक है वे मनुष्य हैं, जो मानव जाति को अपनेपन से ओत-प्रोत देखते हैं, वे देवता हैं, जिनकी आत्मीयता चर-अचर तक विस्तृत है वे जीवन मुक्त परम सिद्ध हैं। जीव अणु है, छोटा है, सीमित है। ईश्वर महान है, विभु है, व्यापक है। जब जीव ईश्वर में तद्रूप होने के लिए बढ़ता है, तो वह भी महानता, विभुता, व्यापकता के गुणों में समन्वित होने लगता है। जिन पर भूत चढ़ता है, उनके वचन और आचरण भूत जैसे हो जाते हैं। ईश्वरीय कृपा की किरण जिन महात्माओं पर पड़ती है, उनकी स्पष्ट पहचान 'आत्मभाव का विस्तार' है। जिसका स्वार्थ जितने कम लोगों तक सीमित है, वह ईश्वर से उतना ही दूर है। जो आत्मभाव का जितना विस्तार करता है, अधिक लोगों को अपना समझता है, दूसरों की सेवा-सहायता करना कर्त्तव्य समझता है, और उनके सुख-दु:ख में अपना सुख-दु :ख मानता है, वह ईश्वर के उतना ही निकट है। आत्मविस्तार और ईश्वर आराधना एक ही क्रिया के दो नाम हैं।

सू-दोकू नवताल -2079

8		5		6	7		1	
	6		8	9			7	
3								2
	3		4		9			
6		2		1		4		3
			6		5		2	
2								1
	1			7	6		4	
	9		5	4		2		6

सू-दोकू -2078 का हल

5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	2	9	4	8	5	7	6
9	8	6	7	3	5	1	4	2
2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	9	6	2	3	7	1	8
7	1	3	8	5	9	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2079

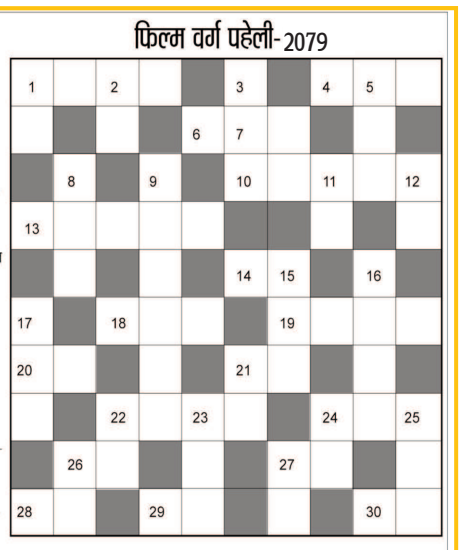

बायें से दायें:-

1. 'चलो इक बार फिर से अजनबी बन जाएं' गीत वाली सुनील दत्त, माला सिन्हा की फिल्म-4
4. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'पंख होते जो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत और संध्या की फिल्म-6
10. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'आंखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है आता है जाता है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-5
14. 'बम चिकी चिकी बम' गीतवाली फिल्म-2
18. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की फिल्म- 4
20. 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म 'कोहराम' की नायिका कौन थी ?-2
21. मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ये गलियां ये चौबारा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जिंदगी प्यार का गीत है' गीत वाली फिल्म-3
26. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली फिल्म-2
27. शाहिद कपूर, करीना कपूर अभिनीत फिल्म-2
28. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी अभिनीत फिल्म-2
29. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
30. 'सपनों का सौदागर' फिल्म की नायिका-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-2
2. फिल्म 'बेमिसाल' में अमिताभ के साथ नायिका कौन थी ?-2
3. अक्षय कुमार, रवीना, पूनम झवेर की फिल्म-3
5. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-3
7. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी देओल, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते रहे सारी रात हम' गीत वाली फिल्म-2,1,3
11. अमिताभ, वहीदा, रति अग्निहोत्री की फिल्म-2
12. फिल्म 'निकाह' के संगीतकार कौन थे-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
16. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली फिल्म-4
17. 'तेरी ये बिंदिया बोले' गीतवाली फिल्म-3
21. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
22. संजय, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-3
24. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीतवाली फिल्म-2
25. फिल्म 'हस्ती' की नायिका कौन थी ?-3
26. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'हर एक घर में दिया' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीतवाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2078

नेचुरोपैथी में बनाएं अपना कॅरियर

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित कि समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।

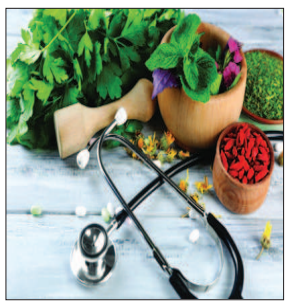

संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूटिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छत्तीसगढ़।

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है।

अगर आपको भी है टैटू बनाने का पैशन...

पिछले कुछ समय से टैटू बनवाने का क्रेज युवाओं में काफी बढ़ गया है। वैसे तो टैटू पुराने समय से बनाए जाते रहे हैं लेकिन कुछ सालों से इसके स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बड़े-बड़े स्टार्स भी बॉडी पर टैटू बनवाते हैं, फिर चाहे बात दीपिका पादुकोण की हो या प्रियंका चोपड़ा की, हर कोई टैटू बनवा चुकी है। आज के समय में बहुत से ऐसे युवा हैं जो न सिर्फ टैटू बनवाने का क्रेज रखते हैं, बल्कि वह टैटू बनाना भी सीखना चाहते हैं। अगर आपको भी टैटू बनाने का पैशन है तो आप इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं देख सकते हैं-

क्या होता है काम

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद शुरूआत में स्किन की सही तरह से केयर करनी भी जरूरी होती है, इसलिए एक टैटू मेकर का काम है कि वह अपने क्लाइंट को स्किन केयर के बारे में भी सारी जानकारी दे ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

स्किल्स

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है आपका क्रिएटिव माइंड। आज के समय में पहले की तरह सिंपल टैटू नहीं बनाए जाते। इसलिए एक टैटू मेकर क्लाइंट की जरूरत को समझकर और अपनी क्रिएटिविटी का प्रयोग करके शरीर के विभिन्न हिस्सों पर अलग-अलग कलर कॉम्बीनेशन और केमिकल्स के जरिए बेहतरीन आकृति को उकेरता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में आपकी सफलता आपका पैशन तय करता है। अगर आप इस काम से दिल से प्यार करते हैं, तभी आपको इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त एक टैटू मेकर को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उसे लेटेस्ट ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। एक टैटू बनाना देखने में भले ही आसान लगे लेकिन यह एक कठिन काम है। इसमें आपको बेहद पेशेंस और एकाग्रता की जरूरत होती है। कई बार लोगों को टैटू से त्वचा में संक्रमण भी फैल जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप इससे भी अच्छी तरह वाकिफ हों और हर तरह की सावधानी बरतते हुए ही अपना काम करें।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं देख रहे छात्रों के लिए कोई मिनिमम योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन टैटू बनाने में आजकल मशीनों का प्रयोग किया जाता है, इसके लिए आप किसी टैटू स्टूडियो या संस्थान से शॉर्ट टर्म कोर्स के जरिए टैटू मेकिंग सीख सकते हैं। यह कोर्स एक से दो महीने का होता है।

संभावनाएं

एक टैटू मेकर के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टैटू मेकिंग का काम सीखने के बाद आप घर से ही काम की शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप बजट अच्छा है तो अलग से टैटू मेकिंग स्टूडियो भी खोला जा सकता है। अगर आप क्लाइंट के घर जाकर काम कर सकते हैं तो ऑनलाइन काम को प्रमोट करना अच्छा रहेगा। इससे आपको कम समय में ही अच्छा काम मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त बड़े-बड़े मॉल्स में भी टैटू मेकिंग का काम शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में कमाई अनुभव और आपके काम के अनुसार बढ़ती है। वैसे कोर्स करने के बाद शुरूआती दौर में एक टैटू मेकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए आसानी से कमा सकता है। लेकिन कुछ सालों के अनुभव के बाद जब आप अपना नाम स्थापित कर लेते हैं तो आपकी आमदनी लाखों में भी हो सकती है।

कम्युनिकेशन डिजाइनिंग से दें कॅरियर को एक नई उड़ान

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके। देश के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान डिजाइनिंग संबंधी कई कोर्स संचालित करता है। इन कोर्सेस में दाखिला लेकर छात्र न सिर्फ अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं, बल्कि सफलता की नई कहानी भी लिख सकते हैं। आज हम आपको राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स की जानकारी दे रहे हैं

बैचलर ऑफ डिजाइन बी.डेस

यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है जो आठ विषयों में उपलब्ध है। 12वीं स्तर के 20 वर्षीय विद्यार्थी इन कोर्सेस में दाखिला ले सकते हैं।

एनीमेशन फिल्म डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि करीबन चार वर्ष की होती है और इसमें महज 15 सीटें ही एनआईडी में उपलब्ध होती हैं। इस कोर्स को करने के बाद छात्र विभिन्न टीवी चैनल में एनिमेटर, करैक्टर डिजाइनर, स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर, प्रोडूसर, कंसलटेंट आदि के रूप में काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में शिल्प, वास्तु, चिकित्सा, सत्कार, सज्जा उत्पादों आदि शैलियों में कार्यात्मक सम्भावनायें भी प्रदान करता है। एनआईडी का यह विभाग भारतीय कला और शिल्प से प्रेरणा लेता है और छात्रों को भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन और नयी तकनीकों की क्षमता को समझने में मदद करता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र एनज़ीओ, डिजाइन स्टूडियो, शिल्प उद्योग में भी रोजगार के अवसर ढूंढ सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

एक्सबिशन डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके।

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन कोर्स के तहत छात्रों को छोटी एजुकेशनल, कल्चरल, सोशल, एंटरटेनिंग व मार्केट कम्युनिकेशन संबंधी शार्ट फिल्में बनाने करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे छात्रों के लिए एड एजेंसी, फिल्म प्रॉडक्शन हाउस, टीवी चैनल्स व अन्य कई सरकारी क्षेत्रों व एनजीओ के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं।

फर्नीचर डिजाइन

फर्नीचर डिजाइन भी वास्तव में एक कला है और इस कला की पूरी जानकारी एनआईडी के चार वर्षीय फर्नीचर डिजाइन कोर्स से प्राप्त होती है। कोर्स में विभिन्न प्रकार के मैटीरियल, उनके इस्तेमाल और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके कुछ नया बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राफिक डिजाइन

पिछले कुछ समय से ग्राफिक डिजाइनर की मांग काफी बढ़ी है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन तक लोग ग्राफिक्स का सहारा लेने लगे हैं। इसके जरिए चीजों को आसानी से समझा जा सकता है और यही कारण है कि यह कोर्स छात्रों के बीच खासा पसंद किया जाता है।

जीडीजीपी (ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन)

4 वर्ष का यह कोर्स विजयवाड़ा और कुरुक्षेत्र में उपलब्ध है। इसमें छात्रों का 12वीं पास होना आवश्यक है और उम्मीदवार की आयु 20 से अधिक न होनी चाहिए।

प्रॉडक्ट डिजाइन

प्रॉडक्ट डिजाइन उन वस्तुओं की रचना करना है, जो लोगों के लिए फायदेमंद है। वस्तुए बड़ी व्यवस्था का मुख्य अंश होती है। कोर्स के दौरान प्रोजेक्ट्स का मुख्य केंद्र उपयोगकर्ताओं की जरूरत, उत्पाद और आर्थिक प्रभाव के लिए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर रहता है।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के तहत छात्रों के भीतर कपड़ा अथवा टेक्सटाइल की समझ का ज्ञान विकसित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है।

स्नातकोत्तर डिजाइन (एम.डेस.)

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। 25 वर्ष की अवधि का यह कोर्स अहमदाबाद, बेंगलुरु और गांधीनगर कैंपसों में उपलब्ध है। इन कोर्सेस में दाखिला लेने वाले आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह कोर्स लगभग 19 विषयों में उपलब्ध है, जो इस प्रकार है-

- ऐनीमेशन फिल्म डिजाइन
- अपैरल डिजाइन
- सिरामिक व ग्लास डिजाइन
- डिजाइन फॉर रिटेल एक्सपीरियंस
- डिजिटल गेम डिजाइन
- फिल्म व वीडियो कम्यूनिकेशन डिजाइन
- फर्निचर डिजाइन
- ग्राफिक डिजाइन
- इन्फोरमेशन डिजाइन
- इंटरैक्शन डिजाइन
- लाइफस्टाइल ऐक्सेसरी डिजाइन
- न्यू मीडिया डिजाइन
- फोटोग्राफी डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- स्ट्रैटिजिक डिजाइन प्रबंधन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- टॉय ऐंड गेम डिजाइन
- ट्रांसपोर्टेटेशन व ऑटोमोबाइल डिजाइन
- यूनिवर्सल डिजाइन

जीईएफ कैपिटल ने 20 करोड़ डॉलर का वित्त जुटाया

मुंबई । जलवायु निवेश पर आधो रित निजी इक्विटी फर्म जीईएफ कैपिटल पार्टनर्स ने अपने साउथ एशिया ग्रोथ फंड-2 के लिए लगभग 20 करोड़ डॉलर का वित्त एके त्रित` किया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसने यह राशि ब्रिटिश सीडीसी ग्रुप, आईएफसी और डच निवेश फर्म एफएमओ से जुटाया है। इनके अलावा यूरोपियन इंवेस्टमेंट बैंक, प्रोपार्को, स्वीडफंड, यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन और बीआईओ ने भी इस वित्तपोषण में योगदान दिया है। जीईएफ कैपिटल का ग्रोथ फंड-2 दक्षिण एशिया में जलवायु संबंधी कारोबारों के लिए समर्पित है। इसका विशेष जोर भारत पर है। जीईएफ कैपिटल के संस्थापक सदस्य एवं प्रबंध साझेदार राज पई ने कहा कि जलवायु वृद्धि निवेश के जे रिए न सिर्फ सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव हासिल करने पर जोर है बल्कि सशक्त परिचालन एवं जोखिम कम करने का भी उद्देश्य है। मार्च 2018 में गठित इस कंपनी के सह-संस्थापक श्रीधर नारायण ने कहा कि सिर्फ दक्षिण एशिया में ही जलवायु क्षेत्र में एक लाख करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश अवसर मौजूद हैं।

मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज के चेयरमैन मेहरोत्रा ने दिया इस्तीफा

मुंबई । मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज में कुप्रबंधन के मामले का पता चलने के बाद एक्सचेंज के चेयरमैन डीके मेहरोत्रा ने पद छोड़ दिया है। शेयरधारक लंबे समय से एक्सचेंज की प्रबंध निदेशक लतिका कुंडू व अन्य अधिकारियों पर आरोप लगा रहे थे। इस संबंध में शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने वित्तमंत्री को पत्र लिखा था। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा था, सेबी इसकी फॉरेंसिक जांच कर रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में घोटाले के बाद के अब मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज में भी कुप्रबंधन का मामला सामने आया है। इस कारण मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज के चेयरमैन डीके मेहरोत्रा ने इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले बाजार नियामक सेबी ने मामले की फॉरेंसिक जांच का आदेश दिया था। एलआईसी के भी चेयरमैन रह चुके डीके मेहरोत्रा ने इस्तीफे का कारण नहीं बताया। दरअसल, शेयरधारक लंबे समय से एक्सचेंज की प्रबंध निदेशक कुंडू व अन्य अधिकारियों पर आरोप लगा रहे थे।

सेबी ने इलेक्ट्रॉनिक सोने की रसीदों को लेकर जानकारी जारी की

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इलेक्ट्रॉनिक सोने की रसीदों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी जारी की। पिछले महीने नियामक ने इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद (ईजीआर) के संदर्भ में लॉकर (वॉल्ट) प्रबंधकों और डिपॉजिटरीज के लिए परिचालन से जुड़े निर्देश जारी किए थे। सेबी के अनुसार ईजीआर का कारोबार ट्रेडिंग यूनिट में शेयर बाजारों में होगा। इसके बारे में शेयर बाजार चीजें निर्धारित करेंगे। परिपत्र के अनुसार शेयर बाजार यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रेडिंग यूनिट जमा यूनिट का 10वें हिस्से से कम नहीं हो। उदाहरण के लिए 100 ग्राम सोने की छड़ें जमा होने पर 100 ग्राम का एक ईजीआर या 10-10 ग्राम के 10 ईजीआर सृजित किए जा सकते हैं। सेबी के परिपत्र में कहा गया है` कि शेयर बाजार में ईजीआर में कारोबार करने को इच्छुक कोई भी व्यक्ति सोना पंजीकृत वॉल्ट प्रबंधकों के पास डिपॉजिट यूनिट में जमा करेगा। इसे शेयर बाजार निर्दिष्ट करेंगे। अन्य बातों के अलावा सेबी ने कहा कि शेयर बाजार को निवेशकों के विशेष रूप से अलग-अलग जमा और ट्रेडिंग यूनिट वाले ईजीआर के लिए पर्याप्त जानकारी का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। नियमों के तहत ईजीआर से जुड़े पूरे लेनदेन को तीन चरणों में विभाजित किया जा सकता है। भौतिक सोने को ईजीआर में परिवर्तित करना, शेयर बाजारों में ईजीआर का कारोबार और इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद को भौतिक सोने में परिवर्तित करना।

अगले वित्त वर्ष में इंडियाबुल्स हाउसिंग का 50,000 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

मुंबई । आवास ऋण कंपनी इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस अगले वित्त वर्ष में 50,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी यह राशि कर्ज में वृद्धि के वित्तपोषण में करेगी। कंपनी को ऋण में 15 से 20 प्रतिशत की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कर्ज में 15 से 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ कंपनी का बहीखाता महामारी-पूर्व स्तर के करीब पहुंच जाएगा। महामारी-पूर्व कंपनी का बही-खाता एक लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया था। इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस का कर्ज बहीखाता फरवरी के ओ खिरी तक कुल 74,800 करोड़ रुपए था। यह पिछले साल के स्तर के लगभग बराबर है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि निदेशक मंडल ने कर्ज वृद्धि के वित्तपोषण को लेकर कंपनी को अगले वित्त वर्ष में 50,000 करोड़ रुपए जुटाने को मंजूरी दे दी है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को भी बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी लि., एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयरों में बढ़त के साथ आया है। वहीं पहले दिन भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। आज दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 350.16 अंक करीब 0.61 फीसदी ऊपर आकर 57,943.65 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 103.30 अंक तकरीबन 0.60 उछलकर 17,325.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के जिन शेयरों में बढ़त रही वह हैं एचडीएफसी, भारतीय एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक जबकि दूसरी ओर आईटीसी, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयर गिरे हैं। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने गत दिवस 801.41 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इससे पहले सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम में आई गिरावट से भी कारोबारी धारणा को समर्थन मिल रहा है।

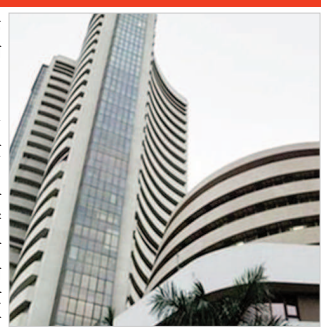

इससे शुरुआती कारोबार में एचडीएफसी, मारुति सुजूकी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को खासी मजबूती मिली।

क्लासप्लस ने नए वित्तपोषण दौर में जुटाए 531 करोड़

नई दिल्ली । शिक्षण प्रौद्योगिकी (एडटेक) क्षेत्र की कंपनी क्लासप्लस ने वित्तपोषण के नए दौर में सात करोड़ डॉलर (करीब 531 करोड़ रुपए) का वित्त जुटाए हैं। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि श्रंखला-डी वित्तपोषण दौर में अल्फा वेव ग्लोबल और टाइगर ग्लोबल की अगुआई में उसने यह वित्त जुटाया है। इस दौरान अबु धाबी की फर्म चिमेरा वेंचर्स नए निवेशक के तौर पर सामने आई है जबकि पुराने निवेशक आरटीपी ग्लोबल ने अपना निवेश दोगुना कर दिया है। क्लासप्लस ने कहा कि वित्तपोषण के इस दौर में उसका मूल्यांकन दोगुने से अधिक होकर 60 करोड़ डॉलर हो चुका है। इसके आठ महीने पहले हुए श्रंखला-डी निवेश दौर में उसने 6.5 करोड़ डॉलर जुटाये थे। वर्ष 2018 में मोबाइल फर्स्ट सॉफ्टवेयर सेवा के तौर पर गठित क्लासप्लस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सह-संस्थापक मुकुल रूस्तगी का कहना है कि हम नए जुटाए गए वित्त का इस्तेमाल अपने उत्पादों को बढ़ाने के साथ ही वैश्विक स्तर पर मौजूदगी बढ़ाने में करेंगे। हम आगे चलकर नए अधिग्रहण एवं साझेदारियों में भी निवेश करेंगे।

बाइडन ने हिंद-प्रशांत रणनीति में सहयोग करने 1.8 अरब डॉलर का प्रस्ताव पेश किया

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने हिंद-प्रशांत रणनीति में सहयोग करने के लिए 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रस्ताव पेश किया है। साथ ही चीन के आक्रामक बर्ताव से मुकाबला करने के लिए 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का एक अन्य प्रस्ताव पेश किया। अमेरिका, भारत और कई विश्व शक्तियां इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के मद्देनजर एक स्वतंत्र, मुक्त और संपन्न हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने पर जोर दे रही हैं। बाइडन ने कहा कि हिंद-प्रशांत में अमेरिका अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है और लंबे समय से सहयोगियों तथा भागीदारों के साथ अपने सहयोग का विस्तार कर रहा है, जिसमें नए राजनयिक, रक्षा तथा सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला और जलवायु एवं वैश्विक स्वास्थ्य पहल शामिल हैं। इसके साथ ही हमारे यूरोपीय और हिंद प्रशांत सहयोगियों के बीच मजबूत संबंधों का समर्थन भी किया जा रहा है। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता दी है। चीन और रूस की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ मिलकर काम किया है। साथ ही अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों को स्वदेश बुलाकर 20 साल से जारी युद्ध को समाप्त किया। ये दोनों प्रस्ताव वर्ष 2023 के लिए अमेरिका के 773 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक रक्षा बजट का हिस्सा हैं, जिसे व्हाइट हाउस ने अपने वार्षिक बजटीय प्रस्तावों के हिस्से के रूप में कांग्रेस के समक्ष प्रस्तुत किया।

अमेजन ग्लो अब यूएस में सभी के लिए उपलब्ध

सैन फ्रांसिस्को।

केवल आमंत्रित बिक्री के कुछ महीनों के बाद, टेक दिग्गज अमेजन ने मंगलवार को घोषणा की है कि अमेजन ग्लो अब यूएस में सभी ग्राहकों के लिए उपलब्ध है और यह अमेजन किड्स प्लस गेम्स, विजुअल आर्ट गतिविधियों, पुस्तकों और अन्य फीचर्स की एक लाइब्रेरी के साथ आएगा। ग्लो अनुभव एक गेम सिस्टम के तत्वों, एक बच्चों की लाइब्रेरी और वीडियो चैट के साथ एक कला-और-शिल्प केंद्र और एक इंटरैक्टिव अनुमानित स्थान को जोड़ता है। परिणाम बच्चों और दूर के प्रियजनों के लिए एक ही समय में एक ही सामग्री का आनंद लेने का एक नया तरीका बनाता है। अमेजन ग्लो के महाप्रबंधक जोर्ज टेवेस ने एक बयान में कहा, हम जानते हैं कि अधिकांश माता-पिता कहते हैं कि उनके बच्चों के लिए पारंपरिक वीडियो कॉल पर लगे रहना चुनौतीपूर्ण है, तो आइए ईमानदार रहें, एक जगह रहें। उन्होंने कहा, ग्लो एक विशाल आभासी मनोरंजन कक्ष की तरह है जो मस्ती से भर जाता है, एक जादुई अनुभव बनाता है जो बच्चों को आकर्षित करता है और पूरे परिवार को प्रसन्न करता है। ग्राहकों ने हमें बताया है कि ग्लो टाइम उनके घरों में हर समय होता है क्योंकि बच्चे नई सीधी पहुंच को अपनाते हैं। ग्लो पर वीडियो कॉल के दौरान, बच्चे पूर्व-अनुमोदित प्रियजनों से जुड़ते हैं जिन्हें माता-पिता अनुभव के लिए आमंत्रित करते हैं, और उन्हें बिल्ट-इन 8-इंच एचडी टचस्क्रीन डिस्प्ले पर देखते हैं। बदले में, ग्लो का फ्रंट-फेसिंग कैमरा यह सुनिश्चित करता है कि मोबाइल डिवाइस पर मुफ्त ग्लो ऐप का उपयोग करने वाले अपने जीवन में छोटों को देख सकें और उनके साथ बातचीत कर सकें। ग्लो की 19.2 इंच की अनुमानित टचस्क्रीन का उपयोग करते हुए, बच्चे गेम खेलते हैं, कहानियां पढ़ते हैं, कला बनाते हैं, भौतिक वस्तुओं को स्कैन करते हैं और दूरस्थ प्रियजनों के साथ एक साथ सीखते हैं।

अब भारत भरेगा दुनिया का पेट, इस साल होगा गेहूं का रिकॉर्ड निर्यात

बिजनेस डेस्क:

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण दुनियाभर में गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। भारत के पास गेहूं के बफर स्टॉक होने की खबरों से इन कीमतों पर लगाम लगी है। भारत के पास फिलहाल 12 मिलियन टन निर्यात लायक गेहूं का स्टॉक है। इस साल भारत दुनिया के उन देशों को गेहूं निर्यात करेगा, जो पहले रूस और यूक्रेन से गेहूं लेते थे। इन देशों में दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं आयातक मिस्र भी शामिल है। दुनियाभर के खाद्य वस्तुओं पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में विश्वभर में रूस-यूक्रेन युद्ध, अकाल और मांग बढ़ने के कारण भारी बढ़ोतरी हुई है। शिकागो में बेंचमार्क गेहूं के भाव 13.635 प्रति बुशेल के उच्चतम स्तर को पिछले महीने ही छू चुके हैं। भारत के गेहूं निर्यात करने से विश्व बाजार में गेहूं की सप्लाई बढ़ेगी। इस खबर से कीमतों में बढ़ौतरी रुकी है। भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक है। ब्लूमबर्ग सर्वे के अनुसार वर्ष 2022-23 में भारत के पास निर्यात करने लायक 12 मिलियन टन गेहूं है। अमरीकी कृषि विभाग के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 8.5 मिलियन टन गेहूं का निर्यात किया था। सप्लाई कम होने और गेहूं की कीमतें बढ़ने के साथ ही बहुत से देश पहली बार भारत से गेहूं का आयात करेंगे। पिछले पांच फसली सीजन से भारत में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन हो रहा है। इस कारण भारत के पास गेहूं का पर्याप्त अतिरिक्त भंडार है जिसका वह निर्यात कर सकता है। इस बार का गेहूं कटाई सीजन भी अब शुरू हो गया है। इस बार भी रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान लगाया जा रहा है। गेहूं निर्यात को लेकर भारत की गेहूं के सबसे बड़े आयातक मिस्र के साथ बातचीत लगभग फाइनल हो चुकी है। इसके अलावा चीन, तुर्की, बोसनिया, सूडान, नाइजीरिया और ईरान भी गेहूं लेने के लिए भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं। पिछले दस महीनों में ही भारत के गेहूं निर्यात में चार गुणा बढ़ोतरी हुई है। बदली हुई वैश्विक परिस्थितियों में भारत को बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के अलावा अब अफ्रीका और मिडल ईस्ट रीजन में भी निर्यात गेहूं निर्यात के मौके मिलेंगे।

भारत देगा दुनिया को राहत

एक रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर स्थित अनाज की बड़ी आयात-निर्यात फर्म एग्रीकूप इंटरनेशनल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर विजय अयंगर का कहना है कि भारत के गेहूं निर्यात करने से अंतरराष्ट्रीय मार्केट में गेहूं की सप्लाई कुछ सामान्य होगी।

फिलहाल सप्लाई बहुत कम है। अयंगर का कहना है कि भारत के गेहूं निर्यात करने की संभावनाओं ने ही कीमतों पर कुछ लगाम लगाई है। अगर भारत गेहूं निर्यात नहीं करता तो गेहूं की कीमतों में भारी उछाल आता।

अयंगर का कहना है कि अब हालात यह है कि हर गेहूं आयातक देश भारत से गेहूं लेने पर विचार कर रहा है। अयंगर ने ये भी कहा कि भारतीय गेहूं को लेकर जितना उत्साह इस बार देखा जा रहा है, ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया है।

मल्टीनेशनल कुरियर डिलेवरी कंपनी फेडएक्स के सीईओ होंगे भारतीय मूल के सुब्रमण्यम

- सुब्रमण्यम कंपनी के निवर्तमान अध्यक्ष और सीईओ फ्रेडरिक डब्ल्यू स्मिथ का स्थान लेंगे

न्यूयॉर्क ।

भारतीय अमेरिकी राज सुब्रमण्यम मल्टीनेशनल कुरियर डिलेवरी कंपनी फेडएक्स के अगले सीईओ होंगे। वर्तमान सीईओ फेडरिक डब्ल्यू स्मिथ के पद छोड़ने के बाद उनके नाम की घोषणा की गई है। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कूरियर डिलीवरी दिग्गज द्वारा हाल ही में जारी की गई एक घोषणा के अनुसार भारतीय अमेरिकी राज सुब्रमण्यम फेडएक्स के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे। सुब्रमण्यम कंपनी के निवर्तमान अध्यक्ष और सीईओ फेडरिक डब्ल्यू स्मिथ की जगह लेंगे। फेडरिक 1 जून को अपना पद छोड़ देंगे। वह अब इसके कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। निवर्तमान अध्यक्ष व सीईओ फ्रेडरिक स्मिथ ने कहा` कि जैसा कि हम आगे की ओर देखते हैं, मुझे बहुत संतुष्टि है कि राज सुब्रमण्यम की क्षमता का एक नेता फेडएक्स को एक बहुत ही सफल भविष्य में ले जाएगा। स्मिथ ने कहा कि वह बोर्ड प्रशासन के साथ-साथ स्थिरता, नवाचार और सार्वजनिक नीति सहित वैश्विक महत्व के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तत्पर हैं। स्मिथ ने 1971 में फेडएक्स की स्थापना की थी। भावी सीईओ सुब्रमण्यम ने कहा` कि फ्रेड एक दूरदर्शी नेता और व्यापारिक दुनिया के दिग्गज हैं।

उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे प्रशंसित कंपनियों में से एक की स्थापना की और इस भूमिका में कदम रखना और जो उन्होंने बनाया है, उस पर निर्माण करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। सुब्रमण्यम को 2020 में फेडएक्स के निदेशक मंडल के लिए चुना गया था। कंपनी ने कहा कि वह बोर्ड में अपनी सीट बनाए रखेंगे। फेडएक्स कार्प के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका से पहले सुब्रमण्यम दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस परिवहन कंपनी फेडएक्स एक्सप्रेस के अध्यक्ष और सीईओ थे। उन्होंने फेडएक्स कार्प के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य विपणन और संचार अधिकारी के रूप में भी कार्य किया, जहां वे कॉर्पोरेट रणनीति विकसित करने के लिए जिम्मेदार थे। इसके अलावा, उन्होंने कनाडा में फेडएक्स एक्सप्रेस के अध्यक्ष के रूप में और 1991 में फेडएक्स में शामिल होने के बाद से पूरे एशिया और अमेरिका में कई अन्य प्रबंधन और विपणन भूमिकाओं में कार्य किया।

प्रति ग्राहक 300 रुपए औसत कमाई के लक्ष्य प्राप्त करने की गुंजाइश: एयरटेल

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के प्रबंधन ने कहा है कि उसे प्रति ग्राहक 300 रुपए की औसत कमाई (एआरपीयू) को प्राप्त करने की गुंजाइश है। कई ब्रोकरेज कंपनियों की रिपोर्टों के अनुसार कंपनी ने अपनी ताजा विश्लेषक बैठक में कहा कि आगे भी शुल्क और प्रीमियमीकरण के जरिये एआरपीयू बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में होने की संभावना है। एक रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि हमने 25 जनवरी, 2022 को एयरटेल की विश्लेषक बैठक में भाग लिया। इस बैठक में प्रबंधन ने एयरटेल के एकीकृत दूरसंचार और डिजिटल पेशकशों को दर्शाया। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने आगे भी शुल्क बढाने और महंगे प्लान जारी रखकर 300 रुपए एआरपीयू प्राप्त करने की अपनी महत्वाकांक्षा दोहराई है।

विराट कोहली फिर चुने गए देश के अग्रणी सेलिब्रिटी ब्रांड, रणवीर सिंह ने अक्षय को पछाड़ा

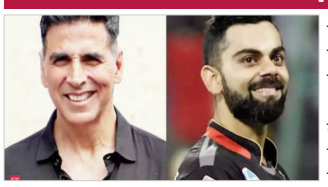

मुंबई,

क्रिकेटर विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने और साल भर में अपनी हैसियत में गिरावट आने के बावजूद देश के सबसे मूल्यवान सेलिब्रिटी ब्रांड के तौर पर अपना स्थान बरकरार रखा है। सलाहकार फर्म डफ एंड फेल्प्स की तरफ से मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि कोहली का ब्रांड मूल्य वर्ष 2021 में गिरकर 18.57 करोड़ डॉलर रह गया, जबकि वर्ष 2020 में यह 23.77 करोड़ डॉलर था। विराट के बाद दूसरा स्थान अभिनेता रणवीर सिंह का है जिनका ब्रांड मूल्य 15.83 करोड़ डॉलर आंका गया है। रणवीर ने इस दौरान अक्षय कुमार को पीछे छोड़ा है जो अब 13.69 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ वह तीसरे स्थान पर हैं। अभिनेत्री आलिया भट्ट इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिनकी ब्रांड कीमत 6.81 करोड़ डॉलर है। इसके साथ ही वह महिला सेलिब्रिटी के बीच सबसे आगे हैं। दीपिका पादुकोण 5.16 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ सूची में सातवें स्थान पर हैं। सेलिब्रिटी ब्रांड सूची तैयार करने वाली फर्म डफ एंड फेल्प्स के प्रबंध निदेशक अविरल जैन ने कहा कि इस सूची में फिल्म उद्योग से जुड़ी शख्सियतों का दबदबा है लेकिन कोहली, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा और पी वी सिंधु जैसे खिलाड़ी भी इसमें दमदार मौजूदगी रखते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में ब्रांड मूल्य में दर्ज किए गए उछाल के मामले में रणवीर, आलिया और क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी आगे रहे हैं। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में डफ एंड फेल्प्स की मूल्यांकन सलाहकार सेवा के प्रमुख वरुण गुप्ता ने कहा, ''कारोबार एवं ब्रांड ने इस साल भी परंपरागत मंचों के साथ ब्रांड प्रोत्साहन के लिए सोशल मीडिया एवं अन्य ऑनलाइन मंचों का भी खूब सहारा लिया है।'' रिपोर्ट कहती है कि टेलीविजन अब भी विज्ञापनों का सबसे बड़ा जरिया है लेकिन डिजिटल मीडिया तेजी से आगे बढ़ रहा है और वर्ष 2023 में विज्ञापन व्यय के मामले में सबसे आगे निकल सकता है।

IL&FS ने मुंबई का अपना हेडक्वार्टर 1080 करोड़ रुपए में ब्रूकफील्ड को बेचा

नई दिल्ली:

आईएल एंड एफएस ने मुंबई के **BKC** का अपना हेडक्वार्टर 1080 करोड़ रुपए में ब्रूकफील्ड को बेच दिया है। **IL&FS** ने इस डील के लिए ब्रूकफील्ड को लेटर ऑफ इंटेंट (बेचने की इच्छा जताते हुए पेपर) सौंप दिया है। जबकि इस एसेट का ट्रांसफर इसी साल हो जाएगा। **IL&FS** की यह इमारत **BKC** (बॉम्बे कुर्ला कॉम्प्लेक्स) की सबसे पहली हाई राइज इमारतों में से एक थी। यह करीब 4.5 लाख वर्ग फुट में फैला है। इमारत के ऊपरी तीन फ्लोर पर **II&FS** ग्रुप के ऑफिर हैं। हालांकि अब ये डील होने के बाद ये ऑफिस खाली कराए जाएंगे। इस डील के बारे में ब्रूकफील्ड को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं आया है। **BKC** (बॉम्बे कुर्ला कॉम्प्लेक्स) को **MMRDA** ने मुंबई के विकल्प के तौर पर शुरू किया था। इसका मकसद था कि साउथ मुंबई में लगातार बढ़ रहे ऑफिस का निर्माण रोककर उसे **BKC** में लाया जाए। फिलहाल **BKC** के पास 80 लाख वर्ग फुट ऑफिस स्पेस का स्टॉक है। मुश्किल में घिरी **IL&FS** के मैनेजमेंट ने 29 मार्च को बताया था कि कंपनी मार्च के अंत तक 55,000 करोड़ रुपए का कर्ज चुका देगी। **IL&FS** के मैनेजिंग डायरेक्टर सीएस राजन ने पत्रकारों को बताया कि यह रकम कुल कर्ज 90% है। पिछले साल नवंबर में अपडेट के बाद कंपनी की अगुवाई दिग्गज बैंकर उदय कोटक कर रहे हैं। कंपनी ने 2700 करोड़ रुपए का इंक्रीमेंटल कर्ज भी चुका दिया है।

कोपेनहेगेन में वापसी पर डेनमार्क की कप्तानी करेंगे क्रिश्चियन एरिक्सन

कोपेनहेगन । क्रिश्चियन एरिक्सन सर्बिया के खिलाफ मैत्री मैच में डेनमार्क की कप्तानी करेंगे, जो पिछले साल यूरोपीय चैम्पियनशिप के दौरान मैदान पर दिल का दौरा पड़ने के बाद उनका पार्केन स्टेडियम में पहला मैच होगा। डेनमार्क के कोच कैस्पर हजुलमंड ने कहा कि चोटिल साइमन कजोर की जगह टीम की अगुवाई करने वाले कैस्पर शमीचेल ने एरिक्सन को कप्तानी सौंपने का सुझाव दिया। यह एरिक्सन के लिए एक भावनात्मक अवसर होगा। वह पिछले साल 12 जून को फिनलैंड के खिलाफ मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ने से कोपेनहेगन के इसी स्टेडियम में मैदान पर गिर गये थे। बाद में बताया गया कि पांच मिनट तक वह मृतप्राय स्थिति में थे। एरिक्सन ने वापसी पर ब्रेंटफोर्ड की तरफ से प्रीमियर लीग में अपना पहला पेशेवर मैच खेला था। वह शनिवार को नीदरलैंड के खिलाफ एम्सटर्डम में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे थे।

नाओमी ओसाका मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मियामी गार्डन्स ।

नाओमी ओसाका के लिए किसी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचना एक समय बड़ी बात नहीं थी और अगर वह नहीं पहुंच पाती तो इसे उलटफेर माना जाता था। लेकिन अब समय बदल गया है। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले एक वर्ष में केवल दूसरा अवसर है जबकि वह अंतिम आठ में पहुंची। ओसाका ने अमरीका की एलिसन रिस्के को 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना डेनियल कोलिन्स से होगा। ओसाका पिछले एक साल के अंदर इससे पहले जनवरी में मेलबर्न में एक टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। उससे पहले वह पिछले साल मियामी ओपन में ही अंतिम आठ में जगह बना पाई थी। इस जापानी खिलाड़ी ने बाद में कहा, 'यह वास्तव में मेरे जीवन के सबसे अच्छे समय में से एक है। मैं इस समय के लिए वास्तव में ईश्वर की आभारी हूं।% अमरीका की नौवीं वरीयता प्राप्त कोलिन्स ने आठवीं वरीय ओन्स जबूर के खिलाफ 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। इससे वह अगली विश्व रैंकिंग में फिर से शीर्ष 10 में जगह बना सकती है। डारिया सैविल ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में लूसिया ब्रोंजेटी को 5-7, 6-4, 7-5 से हराया। उनका सामना अब 22वें नंबर की बेलिंडा बेनसिच से होगा जिन्होंने अलिक्सांद्रा सासनोविच को 6-2, 6-3 से हराया।

स्विस ओपन में उपविजेता प्रणय विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 23वें नंबर पर पहुंचे

नई दिल्ली ।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय स्विस ओपन में उपविजेता रहने के दम पर मंगलवार को जारी नवीनतम बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) रैंकिंग में तीन पायदान आगे 23वें नंबर पर पहुंच गए। पांच साल बाद खिताबी मुकाबले में उतरे प्रणय के अब 52875 अंक हो गए हैं। स्विस ओपन में महिला एकल का खिताब जीतने वाली पीवी सिंधू सातवें स्थान पर बनी हुई हैं। अन्य भारतीयों में युवा लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल टीम शीर्ष 10 में है। इस महीने के शुरू में जर्मन ओपन और ऑल इंग्लैंड के फाइनल में पहुंचने वाले 20 वर्षीय सेन नौवें स्थान पर हैं, वहीं चिराग और सात्विक 7वें नंबर पर हैं। पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत 12वें नंबर पर कायम हैं, जबकि बी साई प्रणीत 19वें नंबर पर हैं। लंदन ओलिम्पिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल महिला एकल रैंकिंग में 23वें स्थान पर बनी हुई हैं। महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी 20वें स्थान पर हैं जबकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद एक पायदान नीचे 15वें स्थान पर खिसक गई हैं।

न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में नीदरलैंड को 7 विकेट से हराया

माउंट मोनगानुई ।

विल यंग के शतक की मदद से न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां पहले वनडे मैच में नीदरलैंड को 7 विकेट से हराया। यंग ने नाबाद 103 रन बनाए तथा हेनरी निकोल्स (57) के साथ दूसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की, जिससे न्यूजीलैंड ने 38.3 ओवर में 3 विकेट पर 204 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इससे पहले अपना पहला वनडे खेल रहे तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर ने 50 रन देकर 4 और काइल जेमीसन ने 45 रन देकर तीन विकेट लिये जिससे नीदरलैंड 49.4 ओवर में 202 रन पर आउट हो गया। नीदरलैंड का स्कोर एक समय 5 विकेट पर 45 रन था जिसके बाद माइकल रिपन और कसान पीटर सीलार ने छठे विकेट के लिए 80 रन जोड़े। रिपन ने 67 और

टी20 प्रारूप में खेला जाएगा 2023 अंडर-19 महिला विश्व कप

वेलिंगटन ।

जनवरी 2023 में आयोजित होने वाला पहला आईसीसी अंडर-19 महिला क्रिकेट विश्व कप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। एक हफ्ते के अंदर बोर्ड की बैठक में मेजबान देश का फैसला किया जाएगा। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। एलार्डिस ने न्यूजीलैंड में महिला विश्व कप 2022 के नॉकआउट मैचों से पहले ऑनलाइन मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'अंडर-19 विश्व कप जनवरी 2023 में निर्धारित है, जिसका प्रारूप टी-20 होगा। टूर्नामेंट के मेजबान का फैसला एक हफ्ते के अंदर बोर्ड की बैठक में किया जाएगा।' आईसीसी के सीईओ ने यह भी कहा कि जुलाई 2022 में महिला क्रिकेट टूर्नामेंटों (2024-27) के अगले चक्र के मेजबानों की पुष्टि की जाएगी। उल्लेखनीय है कि आईसीसी ने अक्टूबर 2019 में बोर्ड की बैठक के दौरान पहला महिला अंडर-19 विश्व कप आयोजित करने का फैसला किया था। मूल रूप से अंडर-19 महिला विश्व कप जनवरी 2021 में होने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे दिसंबर 2021 तक स्थगित कर दिया। फिर जनवरी 2022 में एलार्डिस ने एक बयान में कहा था कि टूर्नामेंट काफी हद तक आयोजन के करीब था, लेकिन कोरोना महामारी ने अड़चन डाल दी।

संक्षिप्त समाचार

मीराबाई चानू को 'बीबीसी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी' का पुरस्कार

नई दिल्ली । ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने सोमवार को बीबीसी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। चानू ने पिछले साल टोक्यो ओलिम्पिक में रजत पदक जीता था और ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय भारोत्तोलक बनी। उन्होंने कहा कि मैं इस समय अमरीका में अभ्यास कर रही हूं। मैं इस साल एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। बीबीसी को इस पुरस्कार के लिये धन्यवाद। भारत की युवा क्रिकेटर शेफाली वर्मा के 'सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी' का पुरस्कार मिला। वहीं सिडनी ओलंपिक 2000 में पदक जीतने वाली भारोत्तोलक कर्णम मल्लेश्वरी को 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार' दिया गया। टोक्यो ओलिम्पिक और पैरालम्पिक के खिलाड़ियों को भी इस मौके पर सम्मानित किया गया।

आईसीसी टूर्नामेंटों में पुरुष और महिला टीमों की इनामी राशि का अंतर कम करेगी आईसीसी

डुनेडिन । अब विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में पुरुष और महिला टीमों को मिलने वाली पुरस्कार राशि का अंतर कम हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस अंतर को कम करने पर विचार कर रहा है। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने कहा कि आगामी आठ वर्षों (2024-31) के दौरान महिला क्रिकेट में होने वाले आयोजनों को लेकर होने वाली आईसीसी गवर्निंग काउंसील की बैठक में पुरस्कार राशि को लेकर भी बात होगी। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड में इस समय 2022 आईसीसी महिला विश्व कप का आयोजन हो रहा है हालांकि इस विश्व कप की विजेता टीम को साल 2019 में हुए पुरुष विश्व कप की विजेता टीम के मुकाबले एक तिहाई पुरस्कार राशि ही मिलेगी। आईसीसी सीईओ ने इसको लेकर कहा कि आईसीसी के आर्थिक मामलों संबंधी ज्यादातर निर्णय आठ वर्षों के लिहाज से लिए जाते हैं पर आगामी 8 वर्षों को ध्यान में रखते हुए हम निसंदेह महिला और पुरुष क्रिकेट के बीच पुरस्कार राशि के इस अंतर को कम कर सकते हैं। आईसीसी के सीईओ कहा कि हम अगले चक्र के आसपास इस पर चर्चा शुरू करने वाले हैं हमारा लक्ष्य महिला और पुरुष क्रिकेट के आयोजनों में टीमों की अंतिम स्थिति में समानता लाना होगा, हालांकि हम इस समय वहां तक नहीं पहुंच पाए हैं, लेकिन हम पुरस्कार राशि की समानता चाहते हैं। अगले वर्ष होने वाले महिला टी-20 विश्व कप से पहले जनवरी 2023 में पहली बार महिला अंडर-19 विश्व कप का आयोजन होना है। अंडर-19 विश्व कप टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी को लेकर एक हफ्ते के अंदर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। एलार्डिस ने इस संबंध में कहा कि 2024 से 2027 के दौरान होने वाले आयोजनों को लेकर चर्चा हो चुकी है, हालांकि इन आयोजनों की मेजबानी पर अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है। जुलाई महीने में इसकी पुष्टि हो जाएगी।

दिवालिया हुए बोरिस बेकर, अदालत से बोले- मैं पैसों के लिए कर रहा संघर्ष

लंदन ।

अपने जमाने के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और दिवालिया घोषित होने के बाद अपनी संपत्ति को सौंपने में विफल रहने के आरोप में लंदन में मुकदमे का सामना कर रहे बोरिस बेकर ने अदालत को बताया कि किस तरह से वह 'महंगे तलाक' और अन्य कारणों से संन्यास लेने के बाद पैसों के लिए संघर्ष कर रहे थे। बेकर ने सोमवार को बताया कि गलत प्रचार के कारण उनकी ख्याति पर दुष्प्रभाव पड़ा जिससे वह अपने कर्ज का भुगतान करने के लिए पर्याप्त कमाई नहीं कर पाए। 54 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उनकी जीवनशैली आलीशान रही जिसमें विंबलडन में किराए का घर भी शामिल है जिसका मासिक किराया 22,000 पाऊंड (लगभग 22 लाख रुपए) था। उन्होंने कहा कि 2001 में पूर्व पत्नी बारबरा बेकर के साथ तलाक के बाद उन्हें अपने दो बेटों के पालन पोषण के लिए मोटी धनराशि का भुगतान करना पड़ा। बेकर ने इसके साथ ही बताया कि उन्हें अपनी बेटी अन्ना एर्मकोवा और उनकी मां के पालन पोषण के लिए भी अच्छी खासी धनराशि खर्च करनी पड़ी जिसमें लंदन में 25 लाख पौंड का अपार्टमेंट भी शामिल था। 6 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन बेकर को जून 2017 में दिवालिया घोषित कर दिया गया था और उन पर 24 आरोप तय किए गए थे जिनमें ओलिम्पिक स्वर्ण पदक सहित अपनी ट्राफियां और अन्य पुरस्कार सौंपने में विफल रहने और ट्रस्टियों से संपत्ति छुपाने के आरोप भी शामिल हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने जर्मनी में अपने स्वामित्व वाली मर्सिडीज कार डीलरशिप की बिक्री से मिले 10 लाख डॉलर कथित तौर पर छिपाए थे और सैकड़ों हजार पौंड अन्य खातों में स्थानांतरित किए थे। बेकर ने हालांकि इन आरोपों से इनकार किया है।

20वीं दिल्ली स्टेट आर्म कुश्ती प्रतियोगिता में रॉयल स्पोर्ट्स क्लब टीम चैंपियन बना

नई दिल्ली । 20वीं दिल्ली स्टेट आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता 2020-21 बड़ी सफलता के साथ रॉयल सॉर्ट्स क्लब द्वारा आर्म रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ़ नई दिल्ली के तत्वावधान में 27 मार्च 2022 को गुरु नानक पब्लिक स्कूल, पंजाबी बाग में दिल्ली संघ के पूर्व अति वरिष्ठ सदस्य स्वर्गीय राजेंद्र अधिकारी की स्मृति में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेत्री और पीपीएल निदेशक प्रीति झंगियानी के साथ प्रसिद्ध हस्तियों कैलाश सांकला (काउंसलर) रविंदर गुप्ता, रोशन लाल गोरखपुरिया, विजय मानव, गुरिंदर पाल सिंह, प्रो अनुज कुमार, राज कुमार गोयल, संजीव महाजन, दिनेश पांडे, दीपक सुचदेवा, श्याम सिंह, आशीष कुमार, कमल तंवर सुंदर निगम और अन्य विशिष्ट अतिथि। फिल्म अभिनेत्री प्रीति झंगियानी ने कहा कि आर्म रेसलिंग को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली आर्म रेसलिंग एसोसिएशन संघ और मुख्य कोच लक्ष्मण सिंह भंडारी और टीम को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया उनकी कंपनी इंडियन आर्म रेसलिंग फेडरेशन के सहयोग से भारतीय आर्म रेसलिंग खिलाड़ियों को व्यापक रूप से बढ़ावा दे रही है और प्रो पांजा लीग के माध्यम से भारत में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के आर्म रेसलिंग इवेंट आयोजित कर रही है। सभी मेहमान बड़ी संख्या में आर्म रेसलिंग खिलाड़ियों विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों और सेना के खिलाड़ियों की भागीदारी को देखकर बहुत उत्साहित थे। उन्होंने आयोजकों को शानदार प्रतियोगिता आयोजित करने और सभी खिलाड़ियों को उनकी भागीदारी और आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए बधाई दी। महासचिव, मुख्य कोच लक्ष्मण सिंह भंडारी ने कहा कि भारत में आर्म रेसलिंग दिन प्रति दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक भार वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रत्येक श्रेणी में चैंपियन ऑफ चैंपियंस ट्रॉफी, नकद पुरस्कार और उपहार और विजेताओं में अंशुल रावत सब जूनियर, जूनियर दाहिने हाथ में निखिल, अगस्त्य चौहान जूनियर बाएं हाथ, सिद्धांत कथूरिया युवा दाएं और बाएं हाथ, सीनियर संजय देसवाल दाहिने हाथ, सिद्धांत हैं। कथूरिया सीनियर लेफ्ट हाथ, नीतू वर्मा सीनियर राइट हाथ वुमन। रॉयल स्पोर्ट्स क्लब ने ओवरऑल टीम चैंपियनशिप जीती।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एश्टन सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर

लाहौर । ऑस्ट्रेलियाई टीम के बाएं हाथ के स्पिनर एश्टन एगर कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाये गये हैं। ऐसे में वह पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने कहा है कि टीम के नियमित परीक्षण के दौरान फिजियोथेरेपिस्ट ब्रेंडन विल्सन भी संक्रमित निकले। वहीं गत दिवस विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस भी संक्रमित होने के कारण बाहर हो गये थे। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलिया के पास पहले मैच के लिये केवल 13 खिलाड़ी ही बचे हैं। वहीं ऑलराउंडर मिशेल मार्श चोटिल होने के कारण तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेलेंगे। इसके अलावा अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी कोहनी की चोट के कारण इस मैच से बाहर हैं जबकि तेज गेंदबाज पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क और सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को सीमित ओवरों की सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

इंग्लैंड हॉकी टीम की सदस्य कोविड-19 से प्रभावित, भारत के खिलाफ प्रो लीग मैच टला

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ियों के कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण भारत के खिलाफ दो मैचों की आगामी एफआईएच प्रो लीग मुकाबले को मंगलवार को स्थगित कर दिया गया। ये मैच दो और तीन अप्रैल को भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में खेले जाने थे। खेल की शासी निकाय एफआईएच ने कहा कि मैचों को स्थगित कर दिया गया है क्योंकि इंग्लैंड की टीम में कोविड-19 से कई खिलाड़ी संक्रमित है। इसके अलावा कई खिलाड़ी चोटिल भी है। एफआईएच ने ट्वीट किया- एफआईएच, हॉकी इंडिया और इंग्लैंड हॉकी स्थिति पर निगरानी रखे हुए हैं। आगे की जानकारी उपलब्ध होते ही दी जाएगी। हॉकी इंडिया के मुताबिक- इंग्लैंड की महिला टीम को दो और तीन अप्रैल को 'डबल-हेडर' एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए भारत की अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी है, क्योंकि टीम के कई सदस्य कोविड -19 के जांच में पॉजिटिव आए है, जबकि कुछ खिलाड़ी चोटिल होने के कारण अनुपलब्ध है। महिलाओं के मैच स्थगित कर दिए गए है लेकिन भारत और इंग्लैंड के बीच पुरुषों के मुकाबले इस सप्ताह के अंत में तय कार्यक्रम के अनुसार खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबम ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इंग्लैंड की महिला हॉकी टीम को भुवनेश्वर में सप्ताहांत के मैचों के लिए अपनी भारत यात्रा रद्द करनी पड़ी। हम समझते हैं कि ये हर टीम के लिए चुनौतीपूर्ण समय है क्योंकि हम सभी महामारी से जूझ रहे हैं। भारतीय महिला टीम इस समय लीग में तीसरे स्थान पर है, उसने 3 मैच जीते, 2 ड्रॉ रहे और एक में हार का सामना करना पड़ा।

वार्न अब हमारे बीच नहीं यह स्वीकार करना मुश्किल : तेंदुलकर

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न को याद करते हुए कि इस खिलाड़ी के खिलाफ कड़ी तैयारी से उतरना पड़ा था क्योंकि वह एक कठिन प्रतिस्पर्धी थे। दिवंगत वार्न को श्रद्धांजलि देते हुए सचिन ने कहा कि इस गेंदबाज का सामना करने के लिए हमेशा अलग तरह से तैयारी करनी पड़ती थी। इसका कारण यह है कि वार्न 'माइंड गेम' खेलने में माहिर था और अपने हावभाव से कुछ भी अहसास नहीं होने देते थे। तेंदुलकर ने कहा, 'उनका जिंदगी के प्रति अलग तरह का नजरिया था। वह हमेशा सकारात्मक रहते थे और दिल खोलकर स्वागत करते थे। इसलिए यह स्वीकार करना वास्तव में मुश्किल है कि वह अब हमारे बीच में नहीं है। गौरतलब है कि सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक वार्न का इस माह की शुरुआत में चार मार्च को 52 वर्ष की उम्र में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी थी। तेंदुलकर ने कहा, ' वार्न के खिलाफ सही अर्थों में मेरी पहली सही श्रृंखला 1998 में भारत में थी। सभी ने उस श्रृंखला को तेंदुलकर बनाम वार्न करार दिया था जबकि यह हम दोनो के बीच में नहीं बल्कि भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया थी।' उन्होंने कहा, 'इस तरह की चीजें आपको दबाव में ला देती है क्योंकि जब आप उनके जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज का सामना कर रहे हों तो आप चीजों को आसान मानकर नहीं चल सकते। तेंदुलकर ने कहा, 'इसलिए मुझे अच्छी तरह से तैयारी करनी थी, न केवल नेट पर बल्कि जब आप कमरे में बैठे हों तब भी आपको उससे एक कदम आगे रहना होगा। आपको यह जानना होगा कि वह क्या सोच रहा होगा क्योंकि वह दबाव बनाने में बहुत अच्छा था और माइंड गेम खेलता था और आपको आउट करने की रणनीति बनाता रहता था।' तेंदुलकर का कई बार वार्न से आमना सामना हुआ पर भारत में साल 1998 की श्रृंखला क्रिकेट किस्सों में अहम स्थान रखती है।

खेडब्रह्मा से कांग्रेस विधायक अश्विन कोटवाल के भाजपा में शामिल होने की संभावना

अहमदाबाद। इस वर्ष के आखिर में होनेवाले गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राजनीतिक हलचलें तेज हो गई हैं। खासकर दलबदलुओं का मौसम खिल गया है एक पार्टी से दूसरी पार्टी में आवागमन का सिलसिला शुरू हो गया है। आगामी दिनों में उत्तरी गुजरात के खेडब्रह्मा से कांग्रेस विधायक अश्विन कोटवाल के भाजपा में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसा होता है तो कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। जानकारी के मुताबिक आगामी 6 अप्रैल को अश्विन कोटवाल भाजपा का भगवा धारण कर सकते हैं। 6 अप्रैल को साबरकांठा के हिम्मतनगर में गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख की उपस्थिति में पार्टी का कार्यक्रम है और इसी दौरान अश्विन कोटवाल भगवा रंग में रंग सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। पिछले काफी समय से अश्विन कोटवाल कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं और उसके कार्यक्रमों में दिखाई नहीं दे रहे। अश्विन कोटवाल गुजरात विधानसभा में विपक्ष के नेता बनना चाहते थे, लेकिन यह सुखराम राठवा को दे दिया गया। जिसके बाद से अश्विन कोटवाल कांग्रेस से नाराज हैं। कांग्रेस कार्यक्रमों में अश्विन कोटवाल की अनुपस्थिति इस बात को बल मिला कि वह भाजपा जॉइन कर सकते हैं। कांग्रेस के आदिवासी सत्याग्रह कार्यक्रम में भी अश्विन कोटवाल नदारद रहे। विधानसभा सत्र के दौरान निष्क्रिय रहे अश्विन कोटवाल सदन में एसटी विभाग की चर्चा के दौरान भी सदन में अनुपस्थित रहे। अश्विन कोटवाल खेडब्रह्मा सुरक्षित सीट से कांग्रेस विधायक हैं और वह लगातार तीन दफा चुनाव जीत चुके हैं। 1996 में एनएसयूआई से राजनीतिक सफर शुरू करने वाले कोटवाल 2001 में यूथ कांग्रेस के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। 2004 में साबरकांठा जिला पंचायत

के विपक्षी नेता रहे। 2018 में अश्विन कोटवाल को विधानसभा में दंडक बनाया गया था। वैसे हर विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल का खेल शुरू हो जाता है। लेकिन इस बार कांग्रेस को झटके पे झटके लग रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस प्रवक्ता जयराजसिंह परमार और उसके बाद अहमदाबाद महानगर पालिका के पूर्व विपक्ष के नेता दिनेश शर्मा भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। इसके अलावा मेहसाणा और सुरेन्द्रनगर से भी कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता भाजपा का दामन थाम चुके हैं।

संगठन में उचित स्थान नहीं मिलने से कांग्रेस के पाटीदार नेता पार्टी कार्यक्रमों का करेंगे बहिष्कार

राजकोट। पिछले ढाई दशकों से गुजरात की सत्ता से बाहर कांग्रेस राज्य विधानसभा के आगामी चुनावों की तैयारियों में व्यस्त है। दूसरी ओर कांग्रेस के पाटीदार नेताओं ने पार्टी के खिलाफ ही बिगुल फूंक दिया है। लगातार असफलता के बावजूद कांग्रेस की आंतरिक कलह खत्म होने का नाम नहीं ले रही। एक अनार सौ बीमार कहावत कांग्रेस पर सही साबित हो रही है। एक को मनाने में दूसरा रूठ जाता है और दूसरे को राजी करो तो तीसरा। गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने हालही में नए संगठन का ऐलान किया है और इसमें राजकोट शहर के पाटीदारों को शामिल नहीं किए जाने से पाटीदार समाज भड़क उठा है। पाटीदार समाज के नेताओं ने एक बैठक की, जिसमें पाटीदार समाज के नेताओं ने कांग्रेस के खिलाफ एक समिति बनाई है। इस समिति ने कांग्रेस के सभी कार्यक्रमों का बहिष्कार करने की घोषणा की है और कहा है कि जब तक संगठन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा तब कांग्रेस के पाटीदार नेता कांग्रेस के किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। इस संदर्भ में कांग्रेस नेता मितुल दोंगा ने कहना है कि संगठन में पाटीदारों की लगातार उपेक्षा की जारही है। आज तक कभी पाटीदार को राजकोट शहर कांग्रेस का प्रमुख नहीं बनाया गया। इतना ही नहीं प्रदेश संगठन में भी राजकोट के एक भी पाटीदार को प्रतिनिधित्व नहीं दिया, जिससे समाज में आक्रोश व्याप्त है। दूसरी ओर कांग्रेस नेता महेश राजपूत का कहना है कि कांग्रेस ने हमेशा पाटीदार समाज को मौका दिया है। जहां तक बात राजकोट की है तो वहां वरिष्ठता के आधार पर स्थान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि संगठन में अब भी मंत्री और कारोबारी सदस्यों को नियुक्त करना शेष है, जिसमें सभी समाज के लोगों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जो भी पेशकश करनी हो वह पार्टी फोरम में करनी चाहिए, इस प्रकार ब्लैकमेलिंग करना या पार्टी पर दबाव बनाना उचित नहीं है।

सूरत भूमि, सूरत। दिनांक 29-3-2022 के दिन लिंबायत पुलिस स्टेशन द्वारा लिंबायत विस्तार में त्रिस नल चौकी का उद्घाटन समारोह और लोक दरबार आयोजित किया गया । इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आईपीएस अजय कुमार तोमर और विधायिका संगीता बेन पाटिल की विशेष उपस्थिति में और अतिथि के रूप में आईपीएस सजन सिंह परमार नायब पुलिस कमिश्नर और आईपीएस प्रवीण सिंह माल सेक्टर 1 सूरत शहर, उपस्थित थे।

युवराजसिंह का वनरक्षक परीक्षा का पर्चा लीक होने का दावा

अहमदाबाद। युवा नेता युवराजसिंह जाडेजा ने हाल ही में ली गई वनरक्षक की परीक्षा का पर्चा लीक होने का दावा करते हुए उसके सबूत आज मीडिया के समक्ष पेश किए। गुजरात में परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरें आम हो गई हैं। आए दिन परीक्षा के पर्चे लीक होने की खबरें सामने आती रहती हैं। पढाई पूरी करने के बाद विद्यार्थी सरकारी नौकरी पाने के लिए पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देते हैं और बाद में पर्चा लीक होने के खबरें उन्हें परेशान कर देती हैं। हाल ही में वनरक्षक की परीक्षा ली गई थी। गत रविवार को ले गई इस परीक्षा का पर्चा लीक होने की खबरों के बाद राज्य के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने सफाई दी कि मेहसाणा जिले के उनावा में कॉपी केस हुआ है। वनरक्षक पर्चा लीक मामले में आज मीडिया के सामने युवराजसिंह जाडेजा ने सरकार पर कड़े प्रहार किए। जाडेजा ने कहा कि शिक्षा मंत्री वाघाणी ने इस मामले में सबूत मांगे थे, जो आज मैं पेश कर रहा हूं। वनरक्षक परीक्षा का पर्चा सोशल मीडिया के जरिए वायरल किया गया था और ये पेपर चालू परीक्षा के दौरान फोरवर्ड किया गया था। वनरक्षक परीक्षा का समय दोपहर 12 से 2 बजे का था और उसी दौरान पेपर वॉट्सएप के जरिए दूसरे ग्रूप में दोपहर 1.15 बजे वायरल किया गया था। जिस व्यक्ति ने पर्चा वायरल किया था, उसका भी नंबर हमारे पास मौजूद है। सरकार अब यह स्पष्ट करे कि यह पेपर लीक का मामला है या अनियमितता का? युवराजसिंह ने कहा कि वनरक्षक की परीक्षा पूर्ण होते ही शिक्षा मंत्री ने बयान दिया कि पेपर लीक नहीं हुआ है, बल्कि एक कॉपी केस हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा था कि अगर किसी के पास कोई पेपर लीक होने का कोई प्रमाण है तो हम इस मामले में कार्यवाही करेंगे। युवराजसिंह ने कहा कि आज हम सोशल मीडिया के प्रमाण पेश कर रहे हैं।

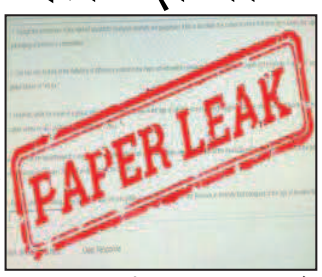

CII Excon 2021 अवसंरचना विकास में आत्मनिर्भर भारत की गति निर्धारित करेगा

सूरत। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आज एक्सॉन 2021 की घोषणा के लिए शहर में एक रोड शो का आयोजन किया। इसमें बुनियादी ढांचे और निर्माण उपकरण उद्योग में नेताओं और हितधारकों के साथ वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की भागीदारी देखी गई। Excon 2021, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा निर्माण उपकरण और निर्माण प्रौद्योगिकी व्यापार मेला 17 से 21 मई 2022 तक बैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र, बैंगलोर में आयोजित किया जाएगा।

एक्सकॉन 2021 प्रदर्शन क्षेत्र के 300,000 वर्ग मीटर में फैला होगा और भारत और विदेशों से 1000 से अधिक प्रदर्शकों को आकर्षित करने की उम्मीद है, जिसमें यूएसए, यूके, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूएई, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं। 5 दिवसीय प्रदर्शनी दुनिया भर से 40,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुकों को आकर्षित करेगी।

रोड शो को संबोधित करते हुए, श्री गोपी कृष्णा मोरे, प्रबंध निदेशक, टोरसा मशीन्स लिमिटेड ने कहा, "यह एक्सॉन का ग्यारहवां संस्करण है और इस वर्ष हमारी थीम है 'एक नई दुनिया के लिए भारत का निर्माण: प्रतिस्पर्धा, विकास, स्थिरता, प्रौद्योगिकी। एक्सॉन 2021 वर्ष 2030 तक भारत को निर्माण उपकरण निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में स्मार्ट प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका का उदाहरण देगा।

"एक्सकॉन 2021 प्रदर्शनी में थीम तत्वों को दर्शाएगा और देश में बुनियादी ढांचे के विकास में आत्मनिर्भर भारत की गति भी निर्धारित करेगा। बड़े मूल उपकरण निर्माताओं की उपस्थिति और एक गतिशील घटक क्षेत्र द्वारा समर्थित एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला के साथ, भारत निर्माण उपकरण निर्माण के लिए दुनिया का विनिर्माण और निर्यात केंद्र बनने की ओर अग्रसर है, "श्री शक्ति कुमार ने कहा। एक्सॉन 2021 भारत के बुनियादी ढांचे को पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए, स्मार्ट शहरों पर परियोजनाओं को सक्षम करने के लिए, स्वच्छ भारत कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए,कौशल विकास और "मेक इन इंडिया" को बढ़ावा देने के लिए - बुनियादी ढांचा और संबंधित क्षेत्रों में समग्र विकास प्राप्त करने के लिए एक राष्ट्रीय एजेंडा के रूप में प्रयास करता है।

कोलगेट पामोलिव ने एक्टिव ऑक्सीजन के साथ 3 डे-व्हाईटनिंग टूथपेस्ट- विज़बिल व्हाईट ओ2 लॉन्च किया

ओरल केयर में मार्केट लीडर, कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) ने एक नए ओरल केयर उत्पाद विज़बिल व्हाईट ओ2 का अनावरण किया है। इसमें अद्वितीय एक्टिव ऑक्सीजन टेक्नॉलॉजी है और यह केवल 3 दिनों में ही दांतों को अंदर से बाहर तक पूरा चमकदार व्हाईट बना देता है। (जब निर्देशानुसार इस्तेमाल हो)

अपने नए कैम्पेन #SmileOutLoud के साथ विज़बिल व्हाईट ओ2 लॉन्च करते हुए अरविंद चिंतामणि, वाईस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग, कोलगेट-पामोलिव इंडिया ने कहा, "नया कोलगेट विज़बिल व्हाईट ओ2 टीथ व्हाईटनिंग में नई क्रांति लेकर आया है। इस टूथपेस्ट में एक्टिव ऑक्सीजन टेक्नॉलॉजी है, जो दांतों को केवल 3 दिनों में व्हाईट बनाती है। हमें विश्वास है कि यह इनोवेशन टूथपेस्ट श्रेणी में एक स्थायी बदलाव लेकर आएगा। हम हर किसी को विज़बिल व्हाईट टीथ का आत्मविश्वास प्राप्त करने और स्माईल आउट लाउड के लिए प्रोत्साहित करते हैं।"

आरती समूह ने गुजरात स्थित सेजल ग्लास लिमिटेड का अधिग्रहण किया

मुंबई। आरती ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक और अध्यक्ष, चंद्रकांत वी. गोगरी, उनकी पत्नी जया चंद्रकांत गोगरी और चार्टर्ड एकाउंटेंट सुरेश छेदा ने हिस्सेदारी हासिल कर ली है। कंपनी फरवरी 2012 से मार्च 2021 तक सीआईआरपी प्रक्रिया के तहत थी। एनसीएलटी के आदेश के परिणामस्वरूप कंपनी सीआईआरपी प्रक्रिया से बाहर हो गई। यह तब से संभव हुआ है जब सरकार द्वारा प्रस्तुत संकल्प योजना को मंजूरी दी गई थी। जिन आवेदकों में हिस्सेदारी है, उनमें श्री चंद्रकांत वी. गोगरी के अलावा (आरती ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक और अध्यक्ष) फोर्ब्स की शीर्ष 100 हस्तियों में से एक, श्रीमती जया चंद्रकांत गोगरी और सुरेश छेड़ा (पेशे से चार्टर्ड एकाउंटेंट)और (व्यवसाय प्रशासन के विश्लेषणात्मक कौशल वाले)। सेजल ग्लास लिमिटेड, जिसने 19वीं शताब्दी में परिचालन शुरू किया था। यह एक अग्रणी लाइन ग्लास प्रोसेसिंग कंपनी है। वैल्यूड ग्लास का निर्माण और प्रसंस्करण, प्लांट सिलवासा में दादरा-नगर हवेली में स्थित है। यह 11000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। और यह अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है। कंपनी के देश भर में डीलर हैं,डेवलपर्स और आर्किटेक्ट्स का एक नेटवर्क है। कंपनी ने क्वालिटी ग्लास के लिए एक ब्रांड इमेज बनाई है। कंपनी भारत में है। सेजल ग्लास ली. कंपनी वर्तमान में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध।

भारत की अग्रणी एकीकृत मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने वित्त वर्ष 2023 के लिए 250 करोड़ रुपये की पूंजी का व्यय करने की योजना बनाई है

गुरुग्राम । भारत की अग्रणी एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ("टीसीआई") ने घोषणा करते हुए बताया कि इसकी अगले वित्त वर्ष 2023 में लगभग 250 करोड़ रुपये की पूंजी का व्यय करने की योजना है। कुल पूंजी में से 100-125 करोड़ रुपये कंपनी जहाजों और कंटेनरों पर खर्च करेगी। टीसीआई शीर्षस्थप में 12-15 फीसदी और आधाररेखा में 20 फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर रही है।

पूंजी योजनाओं पर टिप्पणी करते हुए, टीसीआई के प्रबंध निदेशक श्री विनीत अग्रवाल ने कहा, च्ज्हमारी अगले वित्त वर्ष में लगभग 250 करोड़ रुपये की पूंजी का व्यिय करने की योजना है। इसमें से लगभग 100-125 करोड़ रुपये जहाजों और कंटेनरों पर खर्च किए जाएंगे और निश्चित रूप से कुछ राशि - 30-50 करोड़ रुपये- ट्रकों पर खर्च किए जा सकते हैं। हम गोदामों के निर्माण पर भी कुछ राशि खर्च करेंगे , जो कि लगभग 75 करोड़ रुपये होगा।

जब आप देखते हैं कि बुनियादी ढाँचा का विकास हो रहा है, जो कि मल्टीमॉडल हैं, तो हमारे रेल व्यवसाय या समुद्री मार्ग के व्यवसाय को उसमें गति मिलनी चाहिए। हम ग्राहकों की माँग में बदलाव देख रहे हैं। सामान्य माल संचार वैसे भी हो रही है और हमारा परिवहन संचार कारोबार भी वहां अपेक्षाकृत अच्छा कर रहा है। इसलिए, हम बाजार में आने वाली वृद्धि पर कब्जाऔ करने के लिए काफी अच्छी स्थिति में हैं।"

श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की गति शक्ति पहल एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है क्योंकि इसका एक उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना है, जो कि मल्टीमॉडल परिवहन में बदलाव होने पर ही होगा। उन्होंने कहा, "आने वाले वर्ष में, हम लगभग 12 -15 प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं और 20 प्रतिशत (विकास) आधार रेखा में वृद्धि देख रहे हैं। इसलिए, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए मल्टीमॉडल में शिफ्ट होना चाहिए। भारत के मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए हो रहे सभी प्रयासों और गतिविधियों को एक साथ करने के लिए यह कार्यक्रम हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। मल्टीमॉडल का मतलब है, कि आप परिवहन के विभिन्न साधनों के बीच निर्बाध रूप से चलने में सक्षम हैं। यह लॉजिस्टिक्स प्रदाता के साथ-साथ ग्राहक के लिए भी निर्बाध होना चाहिए।"

यह अनुमान है कि अगले 5-10 वर्षों में विद्युतीकरण, जो वर्तमान में मील या शहर के स्तर पर है, में वृद्धि होगी। ईंधन के वैकल्पिक स्त्रोतों जैसे सीएनजी, एलएनजी और अंततः हाइड्रोजन के उपयोग में भी वृद्धि होगी। भारत को आपूर्ति श्रृंखला खंड में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने की दिशा में टीसीआई की नई पहल के साथ, कंपनी व्यापार और ग्राहकों के लिए लॉजिस्टिक्स में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

फ्लोबिज ने मायबिलबुक पर स्मार्ट कलेक्ट के लॉन्च के साथ एसएमबी के लिए बैंकिंग सेवाओं में प्रवेश किया

बेंगलुरू । निओबैंक फ्लोबिज़ ने आज अपने फ्लैगशिप जीएसटी इन्वॉइसिंग और एकाउंटिंग प्रोडक्ट, मायबिलबुक पर स्मार्ट बैंकिंग मॉड्यूल का पार्ट च्स्मार्ट कलेक्टज्‌ लॉन्च करते हुए एसएमबी के लिए बैंकिंग सेवाओं में अपनी शुरुआत की घोषणा की। स्मार्ट कलेक्ट के साथ, बिज़नेस अब अपने ग्राहकों से यूपीआई और बैंक ट्रांसफर्स के माध्यम से तुरंत भुगतान प्राप्त कर सकते हैं और पेंडिंग इन्वॉइसेस के अगेंस्ट में ऑटोमेटिकली रिकंसाइल कर सकते हैं। यह नियोबैंक के लिए फाइनेंसियल सर्विसेज के रोडमैप की शुरुआत का प्रतीक है जो देश भर में लाखों एसएमबी को सेवाएँ प्रदान करता है।

स्मार्ट कलेक्ट सुविधा को मोबाइल और डेस्कटॉप दोनों पर मौजूदा मायबिलबुक यूज़र्स के एक विशेष सेट के लिए पहले ही शुरू कर दिया गया है। फ्लोबिज आने वाले कुछ हफ्तों में एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा करने वाले यूज़र्स तक रोलआउट को ले जाएगी। स्मार्ट कलेक्ट में आधुनिक डिज़ाइन है, जिसे शुरू करना और उपयोग करना आसान है। मौजूदा कैपेबिलिटीज के अलावा, मायबिलबुक ने ऑर्गेनाइज़्ड रिटेल और फ्रैंचाइज़ी बिज़नेस के लिए पिछले साल दिसंबर में अपना पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) इन्वॉइसिंग इंटरफ़ेस भी लॉन्च किया था, जिससे स्मार्ट कलेक्ट को मायबिलबुक पर नॉन-रिटेल और रिटेल एसएमबी दोनों के लिए एक पॉवरफुल पेमेंट सलूशन बना दिया।

फ्लोबिज़ के को-फाउंडर और सीईओ राहुल राज ने कहा, "जनवरी 2022 में, मायबिलबुक पर 1 मिलियन से अधिक एक्टिव एसएमबी द्वारा रिकॉर्ड किया गया टोटल मंथली ट्रेड 1.5 बिलियन था और यह लगातार बढ़ रहा है। हम स्मार्ट कलेक्ट के लॉन्च को लेकर बेहद उत्साहित हैं, जो कि नियोबैंकिंग रोडमैप की दिशा में हमारा पहला कदम है। व्यापक स्मार्ट बैंकिंग मॉड्यूल, एसएमबी को ग्राहकों से भुगतान लेने व वेंडर्स, सप्लायर्स और दिन-प्रतिदिन के बिज़नेस एक्सपेंसेस करने में मदद करेगा। यह सीधे माईबिलबुक पर करंट अकाउंट मैनेजमेंट को भी लाएगा, जिससे यह सभी इन्वॉइसिंग, एकाउंटिंग इन्वेंटरी मैनेजमेंट, बिज़नेस रिपोर्टिंग और बिज़नेस के लिए बैंकिंग आवश्यकताओं के लिए एक-स्टॉप सलूशन बन जाएगा।"

सिद्धार्थ सेठ, वीपी-प्रोडक्ट्स, फ्लोबिज ने कहा, "मजबूत और स्केलेबल तकनीकी समाधान डिजाइन करने के लिए हमने हमेशा से कस्टमर फर्स्ट एप्रोच रखी है। स्मार्ट कलेक्ट भी उसी एप्रोच का एक प्रोडक्ट है जहां हमने भारत में एसएमबी के रिकॉर्ड-कीपिंग और बैंकिंग बिहैवियर का गहन अध्ययन किया ताकि बेहतर और उपयोग में आसान पैम्नेट सलूशन प्रदान किया जा सके। हमारे पास एक व्यापक केवाईसी प्रक्रिया है जिसके लिए ग्राहक द्वारा स्मार्ट कलेक्ट का उपयोग शुरू करने से पहले जीएसटीएन या पैन वेलिडेशन की आवश्यकता होती है। हम यह सुनिश्चित करने के लिएहाईएस्ट असुरेन्स एसएसएल सर्टिफिकेट्स का उपयोग करते हैं कि कोई भी अनऑथोरिज़्ड व्यक्ति यूज़र्स के पेमेंट डेटा तक नहीं पहुंच सके।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)